विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, शनिवार, 21 जून 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 167 | पेज- 08 | मूल्य- ₹1.00/-

ज्ञानामृत

प्रत्येक कार्य अपने समय से होता है उसमें उतावली ठीक नहीं, जैसे पेड़ में कितना ही पानी डाला जाय पर फल वह अपने समय से ही देता है।

▶▶ वृंद

पहली बार राजधानी पहुंचे बीजापुर के सुदूर गांवों के युवा, मुख्यमंत्री से मुलाकात कर रखी अपनी बात

मार्च 2026 तक नक्सलवाद जड़ से होगा खत्म : साय

विजय मत, रायपुर

इच्छाशक्ति, संवेदना और समावेशी नीति से हमने बस्तर में बदलाव की नई शुरुआत की है। बस्तर के युवाओं का आत्मबल ही हमारी प्रेरणा है और हम सब मिलकर नया बस्तर गढ़ेंगे। आप सभी ने पहली बार राजधानी रायपुर को देखा है, आप सभी का यहां स्वागत है और आपकी यह यात्रा सुखद और चिरस्मरणीय हो। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज अपने निवास में प्रदेश के सुदूर और नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के नियद नेल्ला नार ग्राम पंचायतों के 96 युवक-युवतियों के दल से आत्मीय संवाद कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के साथ ही वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं के माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास की नई राह खोल रही है। उन्होंने कहा कि आप छत्तीसगढ़ के भविष्य हैं और आप सभी की भागीदारी से ही हम बस्तर क्षेत्र और प्रदेश को आगे लेकर जायेंगे। साय ने कहा कि नियद नेल्ला नार' योजना से जुड़कर जहां गांवों की तस्वीर बदल रही है, वहीं युवाओं को भी आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि हमारी सरकार आपके क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित करने में जुटी हुई है और केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने ठान लिया है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि माओवादी आपके

क्षेत्र में विकास नहीं चाहते, लेकिन विकास के रास्ते आने वाली सभी बाधाओं को हम दूर करेंगे। बस्तर का मनोबल हमें नक्सलवाद जैसी कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने की ऊर्जा दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर आपके क्षेत्र में घने जंगल, मनमोहक झरने और ऊँचे पहाड़ हैं। वहां भूमि उपजाऊ है और अच्छी खेती होती है। हमारी सरकार खेती को समृद्ध बनाने के लिए पानी की सुविधा आप तक पहुंचाने का काम कर रही है। साय ने कहा कि आप सभी खेती को बढ़ावा दें और जो विद्यार्थी हैं, वे मन लगाकर अच्छी शिक्षा प्राप्त करें। प्रदेश के विकास में आपका सहयोग हमारे लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने 'बस्तर ओलंपिक' और 'बस्तर पंडुम' जैसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा यह बस्तर की आत्मा की अभिव्यक्ति हैं। इन आयोजनों में हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों की भागीदारी ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि बस्तर अब नए युग की ओर अग्रसर है। बस्तर की कला, संस्कृति और धरोहर को संजोने का कार्य हम सब मिलकर आगे भी करते रहेंगे। आज बस्तर वासियों ने यह दिखा दिया है कि वे हिंसा नहीं, शांति और विकास चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर की धरती वीरता, धैर्य और स्वाभिमान की प्रतीक रही है और अब हम सब मिलकर इसे विकास और समृद्धि के रास्ते पर आगे लेकर जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं, कौशल प्रशिक्षण, खेल और शिक्षा के माध्यम से सरकार हर युवा को एक नया अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम साय ने युवाओं से आह्वान किया कि वे मुख्यधारा से जुड़कर समाज में बदलाव के वाहक बनें और मजबूत, सुरक्षित व समृद्ध बस्तर के निर्माण में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री से युवाओं ने साझा किए अपने विचार, कहा- बस्तर को बदलने का बनेंगे माध्यम

बीजापुर जिले के सुदूर गांवों से राजधानी पहुंचे युवाओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से खुलकर संवाद किया। युवाओं ने न सिर्फ अपने अनुभव साझा किए, बल्कि अपने सपनों और संकल्पों की भी बात की। उन्होंने कहा कि हम शिक्षा, खेल, हुनर और सेवा के रास्ते पर चलकर अपने जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं। बस्तर को बदलना है, और हम इस बदलाव के सहभागी बनना चाहते हैं। युवाओं ने बताया कि नियद नेल्ला नार योजना ने उन्हें नई पहचान और दिशा दी है।

चुनाव की चर्चा नहीं, मगर सतर्क करते दिखे पीएम मोदी

बोले- लालटेन-पंजे के शिकंजे से बचना

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव की आहट राज्य में साफ सुनाई देने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में यह गूंज के रूप में सुनाई दी, जब उन्होंने सीवान में संबोधन सुनने आए लोगों से कहा कि नौजवानों ने जंगलराज की कहानियां सुनी होंगी। देखा नहीं होगा। उस माहौल को जानते नहीं होंगे। फिर से लालटेन और पंजे वाले शिकंजा कसने का मौका ढूंढ़ रहे। सतर्क रहना होगा, वरना विकास पर ब्रेक लगाने का मौका वह तलाश रहे हैं। बिहार समृद्ध होगा और देश के विकास में बड़ी भूमिका निभायेगा। मेरे इस विश्वास में आप सभी का सामर्थ्य है। आप सभी ने मिलकर जंगलराज का सफाया किया है।

कांग्रेस और राजद वालों ने लोगों को गरीबी में धकेल दिया

पीएम मोदी ने कहा कि इसी समय जंगलराज लाने वाले फिर से सपना देख रहे हैं कि बिहार के संसाधनों पर फिर से कब्जा कर सकें। इसके लिए वह तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। आपको अपने भविष्य के लिए सतर्क रहना है। बिहार के विकास पर ब्रेक लगाने वालों को कोसों दूर रखना है। वो लोग हर चुनाव में यह लोग आकर बोलते थे कि गरीबी हटाओ- गरीबी हटाओ। लेकिन, आपने जब से एनडीए सरकार को मौका दिया तो पता चला कि गरीबी कम भी हो सकती है।

न्यूज इन शॉर्ट

इसरो के एसएसएलवी रॉकेट का संचालन अब एचएएल के हाथों में

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बड़ी उपलब्धी हासिल की है। एचएएल ने भारतीय अंतरिक्ष

अनुसंधान (इसरो) के स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के तकनीकी हस्तांतरण की बोली जीत ली है। यह घोषणा राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष पवन गोयनका ने की। गोयनका ने कहा कि इसरो दो वर्षों तक एचएएल का संचालन करेगा। इस दौरान एचएएल को समान डिजाइन और आपूर्तिकर्ताओं वाले दो रॉकेट विकसीत करने होंगे। एचएएल डिजाइन में सुधार करने और तीसरे रॉकेट के लिए अपने स्वयं के विक्रेता चुनने के लिए स्वतंत्र होगा।

देश में कोरोना के दो नहीं बल्कि चार वैरिएंट्स एक्टिव

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में पिछले करीब एक महीने से कोरोनावायरस संक्रमण के मामलों में उतार-चढ़ाव देखा

जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, देश में ओमिक्रॉन और इसके सब-वैरिएंट्स के मामले देखे जा रहे हैं। कोरोना के दो वैरिएंट्स निंबस और स्ट्रातस यहां सबसे ज्यादा प्रभावी रूप में देखे जा रहे हैं, पर हालिया रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया है कि देश में ओमिक्रॉन के सिर्फ दो नहीं, बल्कि चार सब-वैरिएंट्स सक्रिय हैं। कोविड डैशबोर्ड पर साझा की गई जानकारियों के मुताबिक बीते 24 घंटे में कोरोना से देश में चार लोगों की मौत हुई है।

स्विस बैंक में पैसा जमा करने वाले भारतीयों में आई 18% की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विस बैंक में पैसा जमा करने से भारतीयों का मोहभंग होता जा रहा है। स्विस बैंक में भारत

के लोग अब अपनी रकम कम जमा कर रहे हैं। स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) के आंकड़ों के मुताबिक 10 साल में बैंक में भारतीयों की ओर से पैसा जमा करने में 18 फीसदी गिरावट आई है। डाटा में बताया गया है कि 2015 में बैंक में भारतीयों की जमा रकम लगभग 425 मिलियन स्विस फ्रैंक थी। जो 2024 में 346 मिलियन स्विस फ्रैंक हो गई। स्विस नेशनल बैंक के आंकड़ों में बताया गया कि भारतीय जमा राशि में कोविड-19 के दौरान इजाफा हुआ था।

नीट पीजी: आवेदनों में सुधार के लिए 22 तक खुलेगी विंडो

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज ने नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-

एंट्रेंस टेस्ट पोस्टग्रेजुएट के लिए संपादन विंडो खोल दी है। जिन भी उम्मीदवारों ने इस परीक्षा के लिए पंजीकरण किया है, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन पत्र को संपादित कर सकते हैं। संपादन विंडो 22 जून, 2025 तक खुली रहेगी। केवल वही उम्मीदवार आवेदन पत्र में सुधार कर सकेंगे, जिन्होंने समय सीमा से पहले शुल्क का भुगतान कर दिया था। इस अवधि के दौरान कोई नया आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बीजापुर हत्याकांड में शामिल पांच माओवादी गिरफ्तार

विजय मत, ब्यूरो बीजापुर

डीआरजी और बीजापुर पुलिस की टीम को शुक्रवार को बड़ी सफलता हाथ लगी। फोर्स ने 17 जून को हुए तीन ग्रामीणों की हत्या के आरोप में 5 माओवादियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए माओवादियों पर आरोप है कि वो पेद्दाकोरमा गांव में हुए हत्याकांड में शामिल रहे हैं। 17 जून को पेद्दाकोरमा में गांव में छात्र सहित तीन लोगों की निर्मम हत्या माओवादियों ने कर दी थी। एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान पांचों माओवादियों की गिरफ्तारी हुई है। जन अदालत में माओवादियों ने तीनों लोगों को लाठी डंडे से जमकर पीटा। बंदूक की बट से

उनपर प्रहार किया। बाद में तीनों की हत्या कर दी। जिन तीन लोगों की मौत हुई उसमें एक नाबालिग छात्र भी शामिल था। हत्याकांड के बाद से पुलिस लगातार वारदात को अंजाम देने वाले माओवादियों की तलाश कर रही थी। बीजापुर पुलिस ने पकड़े गए सभी पांचों माओवादियों को पूछताछ के बाद न्यायिक रिमांड पर कोर्ट के समक्ष पेश किया है। माओवाद के खात्मे के लिए पूरे बस्तर में एंटी नक्सल ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फोर्स लगातार नक्सल प्रभावित जंगलों और इलाकों में सर्च ऑपरेशन तेज कर माओवादियों की धरपकड़ में जुटी है।

फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने उम्रकैद में बदला, रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस मानने से इनकार

विजय मत, ब्यूरो कोरबा

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कोरबा के जिला एवं सत्र न्यायालय के दिए फांसी की सजा को उम्र कैद में बदल दिया। गैंगरेप और 3 हत्याओं के मामले में 5 दोषियों को फांसी की सजा दी गई थी। फैसला देते समय हाईकोर्ट ने ये टिप्पणी की है कि भले ही यह केस समाज को झकझोरने वाला है। इसके बावजूद तथ्यों और परिस्थितियों के अनुसार आरोपियों को मृत्युदंड की कठोर सजा देना उचित नहीं है। यह फैसला चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने सुनाया। आदेश में कहा गया है कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर का मामला नहीं है। जिसमें मृत्युदंड की कठोर सजा की पुष्टि हो।

धर्मांतरण: पादरी समेत 2 गिरफ्तार

विजय मत, रायपुर

सरस्वती नगर थाना इलाके के कोटा में धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया। कथित धर्म परिवर्तन की शिकायत को लेकर के काफी हंगामा हुआ। कोटा में धर्म परिवर्तन का आरोप लगाते हुए हिंदू संगठन ने इसका विरोध किया और जमकर हंगामा किया। इस मामले की जानकारी पुलिस को भी दी गई। जिसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इस दौरान पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया।

सरस्वती नगर थाना क्षेत्र के कोटा में एक घर के सामने जमकर हंगामा हुआ। इस बाबत जानकारी दी गई कि यहां पर रहने वाले लोग

धर्म परिवर्तन का कार्य कर रहे हैं। हंगामे के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। हिंदू संगठनों के लगातार विरोध के बाद उन लोगों को थाने लाया गया, देर शाम उन पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। इसके पुलिस ने धर्म परिवर्तन के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इनका कहना है...

एक पादरी और उसके परिजन के ऊपर ममाला दर्ज किया जा रहा है। उन लोगों को आजाद चौक थाने में लाया गया है। वहीं उन लोगों के खिलाफ सरस्वती नगर थाने में धर्म परिवर्तन का अपराध पंजीकृत किया जा रहा है।

■ डॉ लाल उमेद सिंह
एसएसपी, रायपुर

अंग्रेजी शर्म नहीं शक्ति है, भाजपा नहीं चाहती गरीब इसे सीखें: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सशक्तीकरण करती है। यह शर्मनाक नहीं है और इसे हर बच्चे को सिखाया जाना चाहिए। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहते कि गरीब बच्चे यह भाषा सीखें, क्योंकि वे नहीं चाहते कि वे सवाल पूछें और समानता हासिल करें। राहुल का यह पोस्ट अमित शाह की उस टिप्पणी के बाद आया, जिसमें शाह ने कहा था कि इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म आएगी। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी

जंजीर नहीं, जंजीरें तोड़ने का औजार है। बीजेपी-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेज़ी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। आज की दुनिया में, अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी, आत्मविश्वास बढ़ाएगी। भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है, और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का मौका दे।

सेंसेक्स ने लगाई 1000 अंकों की छलांग, निफ्टी 25000 के पार

मुंबई, एजेंसी। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1046.30 अंक या 1.29 प्रतिशत उछलकर 82,408.17 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,132.62 अंक या 1.39 प्रतिशत बढ़कर 82,494.49 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 319.15 अंक या 1.29 प्रतिशत बढ़कर 25,112.40 अंक पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 86.59 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की संभावना ने बाजार को सहारा दिया। फाइनेंस, ऑटो और रियल एस्टेट जैसे सेक्टरों में अच्छी खरीदारी देखी गई।

नेतन्याहू की ईरान को एक और चेतावनी; कहा- तबाह कर देंगे परमाणु ठिकाने

हमें अमेरिका की हरी झंडी की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट कर दिया है कि इजरायल ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को जारी रखने के लिए अमेरिका की हरी झंडी का इंतजार नहीं करेगा और ईरान के सभी परमाणु स्थलों पर हमला करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कान पब्लिक ब्रोडकास्टर के साथ एक इंटरव्यू के दौरान नेतन्याहू ने यह घोषणा की है। उन्होंने कहा, ÷हम अपने सभी उद्देश्यों को प्राप्त करेंगे और उनकी सभी परमाणु सुविधाओं पर हमला करेंगे। हमारे पास ऐसा करने की

क्षमता है। उन्होंने खुलासा किया की वह लगभग हर दिन ट्रंप से बात करते हैं और उनकी बातचीत अच्छी चल रही है। नेतन्याहू ने ट्रंप द्वारा इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार को मान्यता देने की प्रशंसा की और इसकी तुलना पूर्व राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा ईरानी प्रॉक्सी के खिलाफ इजरायली अभियानों को प्रतिबंधित करने के प्रयासों से की।

इजरायल संग छिड़ी जंग के बीच ईरान ने खोला एयरस्पेस, 1000 भारतीय लौटेंगे

ईरान-इजरायल जंग के बीच भारत ने ऑपरेशन सिंधु तेज कर दिया है। इसी के तहत ईरान ने अपने बंद (एयर स्पेस) हवाई क्षेत्र को खास तौर पर भारतीय उड़ानों के लिए खोल दिया है। ईरानी शहरों में फंसे कम से कम 1,000 भारतीय छात्रों के ऑपरेशन सिंधु के तहत अगले दो दिनों में दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। पहली उड़ान शुक्रवार रात को 11 बजे नई दिल्ली पहुंची। दूसरी और तीसरी फ्लाइट आज शनिवार को एक सुबह और दूसरी शाम को आने की उम्मीद है। इजरायल और ईरानी सेना के बीच चल रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के चलते ज्यादातर ईरानी एयर स्पेस अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, इसके बावजूद भारत को अपने छात्रों को निकालने के लिए एक विशेष गलियारा दिया गया है। भारत ने बुधवार (18 जून, 2025) को ईरान से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू करने की घोषणा की थी।

महाराष्ट्र, एमपी-गुजरात में बाढ़ जैसे हालात, कई राज्यों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है और इसके साथ ही कई राज्यों में भारी बारिश ने तबाही के हालात पैदा कर दिए हैं। शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में मानसून की औपचारिक दस्तक हो गई, वहीं मध्य भारत और पश्चिमी राज्यों में बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। महाराष्ट्र के नासिक में भारी बारिश के चलते गोदावरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। नदी किनारे बसे निचले इलाकों में घरों और दुकानों में पानी भर गया है। नासिक के कई मंदिर जलमग्न हो गए हैं। रायगढ़ में अंबा, कुंडलिका और पातालगंगा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसके मद्देनजर जिले के सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। रत्नागिरी में भी जगबूदी नदी उफान पर है जबकि पश्चिमी महाराष्ट्र में इंद्रायणी समेत कई नदियां बाढ़ जैसी स्थिति में हैं। गुजरात के अहमदाबाद, वापी और राजकोट में सड़कों से लेकर घरों-दुकानों तक भारी जलभराव देखने को मिला।

विजय मत एंकर जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को मिली बड़ी सफलता

अब लक्षण दिखने से पहले ही लगाया जा सकेगा कैंसर का पता

नई दिल्ली, एजेंसी

कैंसर वैश्विक स्तर पर मृत्यु के प्रमुख जोखिम कारकों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। साल 2022 में कैंसर के कारण लगभग 9.7 मिलियन (97 लाख) से अधिक लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इसमें से अधिकतर मामले ऐसे हो सकते हैं जिन्हें रोका जा सकता था। कैंसर के जोखिमों और इसके कारण मौत के खतरे को कम करने के लिए सबसे जरूरी है, नियमित जांच और समय रहते लक्षणों

की पहचान करके इसका इलाज प्राप्त करना। हाल के वर्षों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। मेडिकल साइंस में नवाचार और उपचार में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद अब भी बड़ी संख्या में लोगों के लिए कैंसर से लड़ाई चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। हालांकि अब ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी खोज कर ली है जिससे दो-तीन साल पहले ही कैंसर के मामलों का पता लगाया जा सकेगा।

कैंसर के निदान में देरी से बढ़ जाता है खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कैंसर से लड़ने में आज भी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसका पता अक्सर बहुत देर से चलता है। कैंसर का निदान जितनी देर में या उन्नत स्थिति में होता है वहां से इलाज होना और रोगी की जान बच पाना दोनों कठिन हो जाता है। भारत जैस देशों में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में शुरुआती चरण में कैंसर का निदान करना अभी भी कठिन है और यह बढ़ती मौतों के महत्वपूर्ण कारणों में से एक है। हालांकि वैज्ञानिकों की टीम ने इस चिंता को दूर करते हुए एक ब्लड टेस्ट के बारे में बताया है जो कैंसर के लक्षण दिखने से वर्षों पहले ही इसकी पहचान करने में मदद कर सकता है।

ब्लड टेस्ट से वर्षों पहले चल सकेगा कैंसर का पता

कैंसर डिस्कवरी जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की रिपोर्ट में जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया है कि कैंसर का निदान होने से कुछ साल पहले से ही व्यक्ति के रक्त में कुछ ऐसे मार्कर हो सकते हैं, जिनकी मदद से आप पहले से ही जान सकते हैं कि आपको खतरा है या नहीं? इसका मतलब है कि ब्लड टेस्ट की मदद से डॉक्टर कैंसर को बहुत पहले ही पकड़ सकते हैं, जब इसका इलाज करना या इसे ठीक करना आसान हो सकता है।

कार्यालय: ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ कबीरधाम का नाम

विजय मत, कवर्धा

कबीरधाम जिले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब संकल्प जन-आंदोलन में बदल जाता है, तो असंभव भी संभव हो सकता है। जिले में वर्षा जल संचयन को लेकर चलाए गए मोर गांव-मोर पानी महाअभियान ने न केवल जन-जागृति की मिसाल पेश की, बल्कि दो अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर जिले को गौरवान्वित कर दिया।

सिर्फ 12 घंटे के भीतर जिलेभर में महिला, पुरूष, बुजुर्ग, युवा बच्चों सहित लाखों नागरिकों ने अपने घरों और परिसरों में सोख पिट (सोखता गड्ढा) निर्माण कर वर्षा जल संचयन को लेकर सक्रिय भागीदारी निभाई। यही नहीं, लाखों की संख्या में लोगों ने जल संरक्षण की शपथ भी ली। यह समर्पण और सहभागिता ही थी, जिसने कबीरधाम को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दो श्रेणियों में दर्ज करा दिया। जिले में डेढ बजे तक 1 लाख 2 हजार 98 सोख पिट (सोखता गड्ढा) निर्माण किया जा चुका था और 1 लाख 17 हजार 504 नागरिकों ने जल संरक्षण के लिए शपथ लिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में जिला प्रशासन कबीरधाम ने जल संरक्षण

एशिया प्रमुख ने कलेक्टर को प्रोविजनल वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र सौंपा

को लेकर एक सशक्त जनआंदोलन खड़ा किया। कलेक्टर गोपाल वर्मा और जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी की प्रेरणादायक पहल ने इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाया। अभियान की सफलता को देखकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एशिया प्रमुख मनीष विश्नोई ने कवर्धा पहुंचकर संपूर्ण अभियान की समीक्षा की और इसे एक अनूठा, समर्पित और सामूहिक प्रयास करार दिया। उन्होंने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में जिले को प्रोविजनल वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र कलेक्टर गोपाल वर्मा और जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी सौंपा। कबीरधाम की यह सफलता न केवल जिले की उपलब्धि है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है। यह साबित हो गया कि जब जनता, प्रशासन और नेतृत्व एकजुट हों, तो पर्यावरण संरक्षण जैसे बड़े लक्ष्य भी शीघ्रता से हासिल किए जा सकते हैं।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय जिले के हर नागरिक को देते हुए कहा कि यह सम्मान केवल प्रशासन की उपलब्धि नहीं, बल्कि जिले के हर उस व्यक्ति का सम्मान है, जिसने जल संरक्षण को अपना दायित्व समझा और इस महाअभियान का सक्रिय हिस्सा बना। कलेक्टर ने इस उपलब्धि को जिले की समस्त जागरूक जनता, समाजसेवी संगठनों, मीडिया के साथियों, महिला स्व-सहायता समूहों, स्कूली छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों को समर्पित किया। जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के पूरे समर्पण और ऊर्जा के साथ इस अभियान को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि कबीरधाम ने न केवल दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर एक नया इतिहास रचा है, बल्कि देशभर के लिए यह संदेश भी दिया है कि जब समाज और प्रशासन एकजुट होकर कार्य करें, तो हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।

जिला पंचायत सीईओं अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जिले के चारों विकासखंड में 469पंचायतों के अंतर्गत 999 गांवों में डेढ बजे तक 1 लाख 2 हजार 98 सोख पिट (सोखता गड्ढा) निर्माण किया जा चुका था और 4602 स्थानों में 1 लाख 17 हजार 504 नागरिकों ने जल संरक्षण के लिए शपथ लिया। विकासखंड कवर्धा में 23 हजार 110 सोख पिट निर्माण किया जा चुका था और 26 हजार 704 नागरिकों ने जल संरक्षण के लिए शपथ लिया।

प्रधानमंत्री ने देश को दी भ्रष्टाचार मुक्त सरकार: गोवर्धन मांझी

विजय मत, गरियाबंद

भारतीय जनता पार्टी मंडल गरियाबंद के तत्वावधान में मंगलवार को नगर में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत 2047 के विजन पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता गोवर्धन सिंह मांझी ने कि कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और जवाबदेह सरकार दी है। मोदी के नेतृत्व में देश ने आर्थिक, सामाजिक और बुनियादी क्षेत्र में प्रगति की है।

पिछले 11 वर्षों में देशभर में सड़क, बिजली, पानी, गैस कनेक्शन, डिजिटल सेवाओं जैसी मूलभूत सुविधाएं गांव-गांव तक पहुँची हैं। काशी, उज्जैन जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का जीर्णोद्धार कर भारत के गौरव को फिर से स्थापित किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वह कार्य कर दिखाए हैं, जो दशकों से अधूरे पड़े थे। राम मंदिर निर्माण हो, तीन तलाक की समाप्ति हो, या कश्मीर से धारा 370 हटाने का फैसला मोदी के कार्यकाल में ही पूरा हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव ने कहा मोदी जी ने अपने कार्यकाल की शुरूआत गरीबों की चिंता से की। उज्ज्वला योजना से माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति मिली, शौचालय निर्माण से स्वच्छता और सम्मान की भावना आई। जिला मंत्री मिलेश्वरी साहू ने कहा कि जनधन योजना से करोड़ों गरीबों के खाते खुले, आवास योजना से लाखों को अपना घर मिला। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष सुमित पारख ने दिया। संचालन मंडल महामंत्री परस देवांगन और आभार प्रकाश सोनी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता बलदेव सिंह हुंदल, अनूप भोसले, घनश्याम सिन्हा, नगर पालिका उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, पूर्व उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोनटेके, सभापति रेणुका साहू, उमेश सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नाली के उपर किए गए अवैध अतिक्रमण को निगम ने हटाया

विजय मत, भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रं. 03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत नाली के उपर अवैध अतिक्रमण को निगम ने हटाया। वार्ड क्रं 30 प्रगति नगर 18 नम्बर रोड क्षेत्र में 35 लोगो द्वारा नाली के उपर स्लैब डालकर अवैध कब्जा किया गया था। जिससे नाली के पानी का निकासी ठीक तरह से नहीं हो रहा था और बरसात का पानी रोड में जमा हो रहा था। निगम के सफाई कर्मियों को भी नाली सफाई करने में परेशानी आ रही थी और आम नागरिको का शिकायत था। संबंधितो को स्वयं से कब्जा हटाने निगम द्वारा नोटिस भी जारी किया गया था, किन्तु कब्जाधारियों द्वारा अतिक्रमित कब्जा नहीं हटाया गया।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन आयुक्त सतीश यादव एवं सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन को निर्देशित किए है कि स्थल निरीक्षण कर कार्यवाही करें। आदेश के परिपालन में जोन 03 के राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने नालियों के उपर से अवैध अतिक्रमण को जे.सी.बी. के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की गई एवं तोड़फोड़ से निकले मलवे को निगम के वाहन से हटाया गया। निरीक्षण के दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुर्णामणी यादव, छावनी थाना के पुलिस बल, सुपरवाईजर, तोड़फोड़ दस्ता प्रभारी हरिओम गुप्ता सहित उनकी टीम उपस्थित रहे।

आमाडूला, मारीर्बगला, खेरथाडीह, डोकला, गोरकापार में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों ने की सहभागिता

धरती आबा अभियानः शिविरों में हितग्राहियों को मिला विभिन्न सौगात

विजय मत, बालोद

धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत बालोद जिले के सभी विकासखण्डों के निर्धारित स्थानों में प्रतिदिन आयोजित लाभ संतृप्ति शिविरों में शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत अनेक सौगात मिल रही है। इसके अंतर्गत आज डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम आमाडुला, डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम मारीर्बगला, बालोद विकासखण्ड के ग्राम खेरथाडीह, गुरूर विकासखण्ड के ग्राम डोकला एवं गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम गोरकापार में आयोजित शिविरों में हितग्राहियों को शासन के विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। आज आयोजित शिविरों में हितग्राहियों का नया राशन कार्ड बनाने के अलावा आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड बनाने की भी कार्रवाई की गई। इसके अलावा शिविरों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के आवासहीन परिवारों का चिन्हांकन, जनधन खाता, बीमा कव्हरेज, वृद्धावस्था एवं विकलांग पेंशन, नल कनेक्शन आदि योजनाओं से भी संबंधित विभागों के द्वारा लाभान्वित करने की कार्रवाई की गई। इसके अलावा शिविर स्थल में स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में चिकित्सकों के द्वारा सिकलसेल एवं एनीमिया जाँच, टीकाकरण के अलावा जनजातीय समाज के लोगों तथा शिविर में उपस्थित ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। आज जिले के सभी पांचों विकासखण्ड के अलग-अलग स्थानों में आयोजित शिविर के माध्यम से शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर जनजातीय समाज के हितग्राही बहुत ही प्रसन्नचित एवं उत्साही नजर आ रहे थे। डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम मारीं बंगला में आयोजित शिविर के माध्यम से अपना आधार कार्ड बनने पर मारीं बंगला निवासी श्रीमती गामिन बाई तथा पेंशन योजना से लाभान्वित होने पर ग्राम कठिया निवासी अर्जुन सिंह तथा वृद्धावस्था पेंशन योजना से लाभान्वित श्री शिव प्रसाद सहित जनजातीय समाज के अन्य हितग्राहियों एवं ग्रामीणों ने धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत लाभ संतृप्ति शिविर के आयोजन की भूरी-भूरी सराहना की। उल्लेखनीय है कि डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम मारीं बंगला में आयोजित शिविर में जनजातीय समाज के 72 लोगों का नया राशन कार्ड बनाने के अलावा 07 हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड, 03-03 हितग्राहियों का आधार कार्ड एवं किसान क्रेडिट कार्ड बनाया गया है। इसी तरह शिविर में सामाजिक पेंशन योजना से 03 हितग्राहियों को तथा वनाधिकार पत्रधारी 02 हितग्राहियों को पशु पालन विभाग के योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

शिक्षा के रंग में रंगा गरियाबंदः शाला प्रवेश उत्सव में बच्चों का गर्मजोशी से स्वागत

विजय मत, गरियाबंद

जनप्रतिनिधियों ने दी शिक्षित राज्य की सौगात

सोमवार को गरियाबंद स्थित पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय परिसर शिक्षा के रंग में रंगा नजर आया। यहां जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें स्कूली बच्चों का गर्मजोशी से स्वागत कर शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया गया।

कार्यक्रम में सांसद रूपकुमारी चौधरी, स्थानीय विधायक रोहित साहू, बिंद्रा नवागढ़ विधायक जनक ध्रुव, कलेक्टर बीएस उइके, भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक और सैकड़ों स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

नवप्रवेशियों का हुआ भव्य स्वागतः कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी बच्चों को गुलाल लगाकर, मिठाई खिलाकर और शैक्षणिक सामग्री वितरित कर स्वागत से हुई। पहली कक्षा के नन्हें बच्चों को पाठ्य पुस्तकें दी गईं, जबकि कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों को गणवेश का वितरण किया गया। सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं की छात्राओं को साइकिल वितरित कर बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही जिले में प्रथम स्थान लाने वाले और माने में चयनित बच्चों को मंच पर सम्मानित किया गया।

सांसद रूपकुमारी चौधरी का संबोधनः सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा, शाला प्रवेश उत्सव का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। हर बच्चा स्कूल जाए, यह संकल्प शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी से ही हम एक शिक्षित और आत्मनिर्भर राज्य का निर्माण कर सकते हैं। शिक्षा ही भविष्य की मजबूत नींव है और ऐसे आयोजनों से ग्रामीण अंचल में शैक्षणिक वातावरण समृद्ध होता है।

सांस्कृतिक रंगों से सजा मंचः कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उनकी गायन, नृत्य और कविता पाठ ने उपस्थित जनों का दिल जीत लिया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से सभी अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि शिक्षा का उजियारा जन-जन तक पहुंचे, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। शासन की योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचे, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

समाज को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने आदर्श विवाह को अपनाना होगा : ईश्वर पटेल

पटेल समाज ने मृत्यु भोज में मीठा पकवान बंद करने का लिया निर्णय

विजय मत, अभनपुर

मरार पटेल समाज अभनपुर राज का बैठक सम्पन्न हुआ जहां विभिन्न अहम मुद्दों पर चर्चा के पश्चात निर्णय लिया गया । सर्वप्रथम माता शाकंभरी जी की पूजा अर्चना के पश्चात अतिथियों तथा पदाधिकारीयो का स्वागत किया गया । बैठक अभनपुर राज के अध्यक्ष ईश्वर पटेल की अध्यक्षता में हुआ, प्रमुख रूप से प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष तेजराम पटेल, जिला अध्यक्ष एवं संयोजक राजिम राज सोमनाथ पटेल , सभापति के रूप में गंगाराम पटेल , अभनपुर राज कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र पटेल ने सभा को संबोधित किया ।

इस अवसर पर अध्यक्ष ईश्वर पटेल ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए हमें समाज के हर एक व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है । लोग विवाह संस्कार , मृत्यु संस्कार , नशा पान में अत्यधिक पैसा खर्च करते हैं । उन खर्चों पर अंकुश लगाने के लिए समाज कठोर नियम बनाने जा रहे हैं जिसमें प्रमुख रूप आदर्श विवाह एवं मृत्यु भोज में मीठा पकवान को बंद करने का सर्वसम्मति निर्णय लिया गया है । सामाजिक कार्यों में नशापन को पूर्णतः बंद करने का निर्णय लिया गया है। इसे पूर्णतः सफल बनाने के लिए प्रत्येक गांव से महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है महिला प्रकोष्ठ का गठन करके उनको जागरूक करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

निस्तारी तालाब की साफ-सफाई कर दिया जनभागीदारी का उदाहरण

विजय मत, गरियाबं

जिले के ग्राम कसेरु के ग्रामीणों ने स्वच्छता और सामूहिक प्रयास की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। जहां एक ओर कई गांव विकास कार्यों के लिए सरकार की ओर टकटकी लगाए रहते हैं, वहीं ग्राम कसेरु के लोगों ने मानसून पूर्व अपने प्रमुख निस्तारी तालाब की सफाई का जिम्मा स्वयं उठाकर यह साबित कर दिया कि जब जनता जागरूक होती है, तब परिवर्तन स्वतः संभव हो जाता है।

गांव के मुख्य तालाब की स्थिति हाल ही में बिगड़ गई थी। पानी की गहराई कम हो गई थी, किनारे गंदगी से अटे पड़े थे और जल निकासी के रास्ते अवरुद्ध हो चुके थे। गांव के बुजुर्गों और युवाओं ने मिलकर इस दिशा में पहल की और एक दिन तय कर गांवभर के लोगों को एकत्र कर तालाब सफाई का श्रमदान शुरू किया।

तालाब की सफाई के दौरान गाद निकाली गई, किनारों की झाड़ियां और जंगली घास हटाई गई, साथ ही नाली और निकासी व्यवस्था को पुनः सजीव किया गया ताकि बरसात का पानी बिना रुकावट भर सके। विशेष बात यह रही कि इस अभियान में गांव की महिलाओं और किशोरों ने भी भाग लिया। सुबह से लेकर शाम तक चले श्रमदान में एकजुटता और समर्पण की भावना साफ दिखाई दी। ग्राम वासियों ने कहाःहमारे गांव का यह तालाब पीने, निस्तारी और पशुओं के लिए बेहद जरूरी है।

मुख्य अतिथि शिवरतन शर्मा एवं अश्वनी शर्मा ने किया लोकार्पण

मोती गार्डन का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण, भव्य रूप में हुआ उद्घाटन

विजय मत, भाटापारा

नगर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल मोती गार्डन, जिसका पिछले कुछ समय से जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर था, अब पूरी तरह से नए स्वरूप में नगरवासियों के लिए समर्पित कर दिया गया है। शुक्रवार को आयोजित एक भव्य समारोह में इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष माननीय श्री शिवरतन शर्मा जी एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा जी द्वारा किया गया।

लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि माननीय शिवरतन शर्मा ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर गार्डन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शिवरतन शर्मा जी ने कहा, मोती गार्डन अब न केवल शहर की शोभा बढ़ाएगा, बल्कि नागरिकों को स्वास्थ्य, मनोरंजन और सुकून के लिए एक आदर्श स्थान प्रदान करेगा। अश्वनी शर्मा जी ने अपने संबोधन में कहा, नगर की जनता को एक स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित गार्डन की सुविधा देना हमारा दायित्व है। जीर्णोद्धार के बाद गार्डन अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त होकर नागरिकों को और भी आकर्षित करेगा। पुनर्निर्मित मोती गार्डन में रंगीन फव्वारे, एलईडी लाइटिंग, वॉकिंग ट्रैक, बच्चों के लिए झूले, बुजुर्गों के लिए विश्राम स्थल और ओपन जिम जैसी सुविधाएं शामिल की गई हैं।

समारोह में नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, सभापति गोविंद पटेल कुंजराम कोशले मनीष मिश्रा दीपा दशरथ साहू सतीश तलरेजा पार्षद गण सतीश साहू नंदकिशोर वैष्णव श्रेणिक गोलछा बंटी टंडन उमाशंकर वर्मा मोंटू ध्रुव बब्बू मंधान भाजपा जिलामहामंत्री राकेश तिवारी युवामोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील यदु मंडल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहन बांधे अध्यक्ष योगेश अनंत सहित नगर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने थानखम्हरिया को दी 7 करोड़ की विकास सौगात

विजय मत, रायपुर

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान बेमेतरा जिले को बड़ी सौगात दी। इस दौरान उन्होंने ग्राम करमु और नगर पंचायत थानखम्हरिया में धार्मिक और विकासात्मक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने करमु में माँ चंडी मंदिर के नवनिर्माण हेतु भूमि पूजन किया और थानखम्हरिया में करीब 7 करोड़ रुपये की लागत वाले 36 विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

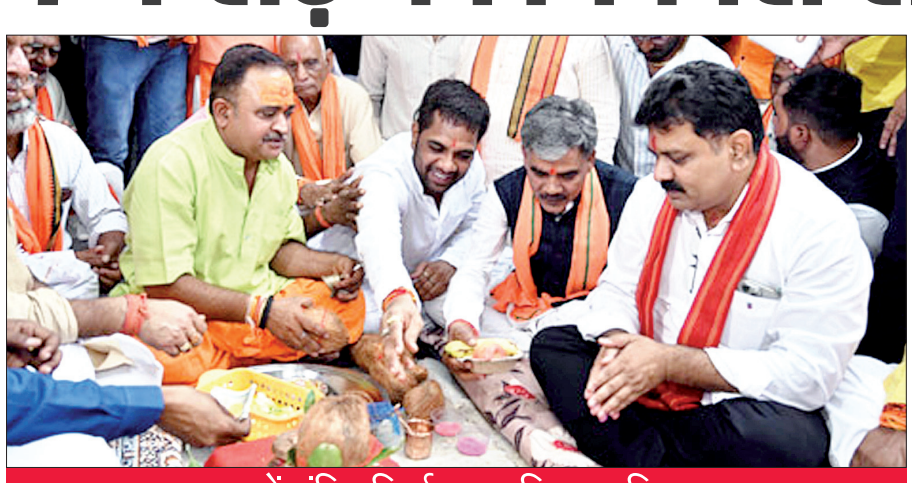

करमु में मंदिर निर्माण का किया भूमि पूजन

ग्राम करमु में जहाँ उपमुख्यमंत्री ने जनसहयोग से बनने वाले माँ चंडी मंदिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात वे थानखम्हरिया पहुंचे, जहाँ सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने 653.62 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 36 विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस समारोह की अध्यक्षता दुर्ग सांसद विजय बघेल ने की, वहीं साजा विधायक ईश्वर साहू, प्रहलाद रजक अध्यक्ष रजक बोर्ड , जितेन साहू तेलघानी नाका बोर्ड, भाजपा जिलाध्यक्ष अजय साहू, राजेंद्र शर्मा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, ओमप्रकाश जोशी पूर्व जिला अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनिता चंदन अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, चंदन अग्रवाल (विधायक प्रतिनिधि), युवा भाजपा नेता बसंत अग्रवाल, भाजपा नेता योगेश तिवारी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं नागरिक मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने एक भावुक घोषणा करते हुए बिरनपुर कांड में मृतक भुनेश्वर साहू (साजा विधायक ईश्वर साहू के सुपुत्र) की स्मृति में साजा क्षेत्र में गार्डन और मूर्ति स्थापना के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। यह घोषणा सभा में उपस्थित लोगों को भावविभोर कर गई और पूरे वातावरण में श्रद्धांजलि की भावना व्याप्त हो गई।

नगर पंचायत अध्यक्ष अनिता चंदन अग्रवाल ने उपमुख्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न आवश्यकताओं को रखा, जिस पर विधायक ईश्वर साहू ने तुरंत सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए 15 लाख रुपये अपनी निधि से देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने कुल 30 लाख रुपये के नवीन कार्यों की घोषणा कर जनता को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र विकास के पथ पर अग्रसर रहेगा।

वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं लगाने पर पुलिस के द्वारा होगी चालानी कार्रवाई

एचएसआरपी आर्डर की संख्या दोगुनी करने के दिए गए निर्देश

विजय मत, रायपुर

सचिव सह परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के अनुबंधित कंपनियों के प्रतिनिधि एवं समस्त परिवहन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सचिव सह परिवहन आयुक्त श्री एस.प्रकाश द्वारा बिना एचएसआरपी वाले वाहनों पर सख्त चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

सचिव परिवहन श्री एस. प्रकाश ने एचएसआरपी आर्डर में कमी आने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्त परिवहन अधिकारियों को पुलिस प्रशासन से समन्वय कर संयुक्त जांच अभियान चलाने और चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने धमतरी, जशपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, बैकुण्ठपुर, रायपुर, बिलासपुर जिलों के परिवहन अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की और आगामी दिनों में एचएसआरपी आर्डर की संख्या दोगुनी करने हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में समस्त परिवहन अधिकारियों को एचएसआरपी वेंडर से समन्वय कर तहसील मुख्यालय, ग्रामीण कस्बों एवं भीड़ वाले जगहों जैसे- इंडस्ट्रियल, एजुकेशन इंस्टीट्यूट क्षेत्रों में लगातार कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिए गए। परिवहन सचिव सह आयुक्त ने दुर्ग जिला अंतर्गत भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) में कार्यरत कर्मचारियों के स्टॉफ पार्किंग में कैम्प आयोजित करने हेतु क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, दुर्ग को निर्देशित किया गया। साथ ही एचएसआरपी लगाने एवं नियम / अधिनियम की जानकारी हेतु लोगों में जागरूकता लाने पेट्रोल पंप या अन्य भीड़ वालें स्थानों पर बैनर / पोस्टर के माध्यम से जानकारी प्रसारित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देश दिया गया कि अनुबंधित कम्पनियां जिला मुख्यालय के साथ-साथ तहसील मुख्यालय में भी कंपनी द्वारा संचालित स्थायी फिटमेंट सेंटर स्थापित करने के साथ मैनपॉवर भी बढ़ाएं। इसके अतिरिक्त समस्त परिवहन अधिकारियों को समस्त फिटमेंट सेंटरों का लगातार भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

रिश्वत लेते कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार गुप्ता गिरफ्तार

विजय मत, मुंगेली

जिले स्थित लोरमी में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने अवैध बिजली कनेक्शन के नाम पर रिश्वत लेते कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया है।

जिले के लोरमी के पास ग्राम पाली निवासी नन्द कुमार साहू ने एसीबी इकाई बिलासपुर में शिकायत की थी। उसने अपने घर में बिजली कनेक्शन लगाने के लिए सीएसपीडीसीएल लोरमी में आवेदन दिया था। 11 जून को उसके घर में लोरमी के कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार गुप्ता पहुंचे। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से बिजली जला रहे हो। उसके बाद बिजली के तार को काट दिए। कार्रवाई से बचने के लिए 50 हजार रुपए की उससे मांग की। बातचीत के दौरान अंत में 15 हजार रुपए रिश्वत में देने की बात तय हुई। मामले की शिकायत एसीबी में हुई। शिकायत का सत्यापन कराए जाने पर वह सही पाई गई, तो ट्रैप की योजना तैयार हुई। शुक्रवार को शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम 15 हजार रुपये आरोपी कृष्ण कुमार गुप्ता को देने के लिए भेजा। आरोपी ने रकम अपने चारपहिया वाहन के डैशबोर्ड के नीचे के खंड में रखवाया। उसी वक्त एसीबी की टीम ने पकड़ लिया।घूसखोरी और भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारी कृष्ण कुमार गुप्ता को रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार करते ही आसपास काफी भीड़ लग गई। पकड़े गए आरोपी से रिश्वत की रकम जब्त कर एसीबी उसके खिलाफ धारा सात भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई कर रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जाएगी।

चिरंजीवी रायपुर: गंभीर कुपोषण से सुपोषण की ओर एक सशक्त पहल के प्रथम चरण का समापन

चिरंजीवी रायपुर: माताओं तथा बच्चों का विशेष ख्याल रखा गया: केदार कश्यप

विजय मत, रायपुर

एक कदम मोर, सुपोषण की ओर संकल्प के साथ रायपुर जिला प्रशासन की अभिनव पहल चिरंजीवी रायपुर के तहत सेरीखेड़ी में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र के प्रथम चरण का समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप उपस्थित रहे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने की।

चिरंजीवी रायपुर के अंतर्गत 6 माह से 4 वर्ष तक के 100 गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को उनकी माताओं सहित एक माह तक विशेष देखरेख में रखा गया। इस अवधि में बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, खेल, मनोरंजन, योग, तथा समग्र विकास हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। माताओं को भी पोषण, स्वच्छता एवं देखभाल के प्रति प्रतिदिन प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य अतिथि श्री कश्यप ने कहा, अगर मां स्वस्थ्य है तो बच्चा भी स्वस्थ रहेगा। चिरंजीवी रायपुर के माध्यम से मां और बच्चे दोनों का समग्र विकास सुनिश्चित किया गया है। जिला प्रशासन का यह प्रयास सराहनीय है, सामाजिक संस्था को भी धन्यवाद। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। चिरंजीवी रायपुर के माध्यम से माताओं को जागरूक किया जा रहा है कि बच्चों को क्या, कब और कैसे खिलाना है। मनोरंजन और स्वास्थ्य की संयुक्त व्यवस्था से यह पहल अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध हुई है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चिन्हित बच्चों और उनकी माताओं को विशेष देखरेख में रखा गया। प्रत्येक बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति पर प्रतिदिन निगरानी रखी गई। बच्चों तथा माताओं की पूरी स्वास्थ्य जांच कराई गई तथा अच्छी देखरेख की गई। योग, संगीत, खेल और घर जैसे वातावरण दिया गया है। सामाजिक संस्था तथा व्यक्तियों ने आगे आकर बच्चों के पोषण के लिए विशेष सहयोग किया।

इस दौरान यहां रहे माताओं तथा बच्चों के चेहरों में मुस्कान तथा खुशी साफ झलक रही थी। जिला प्रशासन का प्रयास सार्थक रहा। बच्चे तथा माताएं स्वस्थ्य होकर घर लौट गए। कार्यक्रम के दौरान माताओं को पौष्टिक आहार के पैकेट वितरित किए गए। साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों और व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक सुनील सोनी, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, इंद्रकुमार साहू, पुरंदर मिश्रा, रायपुर महापौर मती मीनल चौबे, रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, एसएसपी डॉ लाल उम्मेद सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप, सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा माताएं एवं बच्चें शामिल हुए।

रायपुर-दुर्ग के बीच हाई स्पीड ट्रेन चलाने जीएम ने किया निरीक्षण

अप और मीडिल लाईन में चल सकेंगी 130 KMPH से ट्रेन

विजय मत, रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के जीएम तरुण प्रकाश ने शुक्रवार को दुर्ग से रायपुर के बीच निरीक्षण किया.

इस दौरान रायपुर आने के बाद वे पुनः दुर्ग के लिए रवाना हुए और वहां से वे मीडिल लाईन में 130 KMPH की स्पीड से ट्रेन चलाए जाने वाले ट्रैक का निरीक्षण करेंगे, रायपुर से दुर्ग जाते वक्त उन्होंने अप लाईन में ये निरीक्षण किया. रायपुर रेलवे स्टेशन में उन्होंने इस संबंध में पत्रकारों से विस्तृत चर्चा की. उन्होंने कहा कि रायपुर रेल मंडल में वंदेभारत के अलावा जिन ट्रेनों में एलएचबी कोच लगे हुए है उनकी स्पीड में इजाफा हुआ है. रायपुर रेल मंडल में उन्होंने पश्चिम विधायक राजेश मूणत और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय से भी मुलाकात की.

इस दौरान विधायक राजेश मूणत ने रायपुर रेलवे स्टेशन में प्लेटफार्म नंबर 1 से 7 तक जाने के लिए अंडर ब्रिज बनाएं जाने की मांग की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व रायपुर तथा नवा रायपुर में लोगों ने किया योगाभ्यास

राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में होगा जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन

विजय मत, रायपुर

21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रायपुर और नवा रायपुर में जोर-शोर से तैयारियाँ चल रही हैं। छत्तीसगढ़ योग आयोग के प्रशिक्षित योग गुरुओं द्वारा शहर के विभिन्न विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं सामुदायिक केन्द्रों में निःशुल्क योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगाभ्यास में शहरभर से 500 से अधिक लोग–जिसमें मुख्य रूप से स्कूली बच्चें, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, उभयलिंगी समुदाय

विद्यार्थी, गृहिणियाँ और युवाओं ने एक साथ योगाभ्यास कर आयोजन के प्रति उत्साह और समर्पण दिखाया।

जिला स्तरीय मुख्य आयोजन 21 जून को कृषि महाविद्यालय परिसर स्थित कृषि मंडपम सभाकक्ष, रायपुर में किया जाएगा, जहाँ राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम प्रातः 6:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम ₹योगः एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य₹ रखी गई है, जो न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और वैश्विक एकता का भी संदेश देती है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जनपद, नगर एवं ग्राम पंचायत स्तरों पर विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों, अमृत सरोवरों तथा अन्य चिन्हित स्थलों पर सामूहिक योग सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा कमीशन खोरी और भ्रष्टाचार के लिए तेंदूपत्ता संग्राहकों से मनपसंद चरण पादुका खरीदने का अधिकार छीन रही

कांग्रेस सरकार में तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका खरीदने नगद राशि दी जाती थी, भाजपा बंद कर रही

विजय मत, रायपुर

भाजपा सरकार के चरण पादुका योजना में चप्पल जूता वितरण करने के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार अपने कुछ पूंजीपति चप्पल जूता निमार्ताओं से कमीशन लेकर तेंदूपत्ता संग्राहकों से मनपसंद चरण पादुका खरीदने का अधिकार छीन रही है। भाजपा का नारा है चंदा दो धंधा लो। पूर्व कांग्रेस की सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को मंदपसंद चप्पल खरीदने के लिए योजना के माध्यम से नगद राशि सीधा उनके खाता में ट्रांसफर किया था। नगद राशि ट्रांसफर करने से तेंदूपत्ता संग्राहक अच्छी कम्पनी की जूता चप्पल स्थानीय बाजार से खरीदी करते थे, उन्हें अपनी सुविधा और उपयोगिता के अनुरूप चुनने का अधिकार मिलता था। इसे स्थानीय स्तर पर व्यापार भी चलता था। बाजार में रौनक होती थी। केंद्र की भाजपा सरकार हर योजना में नगद राशि हितग्राहियों के खाता में सीधा ट्रांसफर करने की बात करती हैं। वही राज्य की भाजपा अपने खजाना में काली कमाई का पैसा जमा कराने नगद ट्रांसफर योजना को बंद कर समान वितरण की नीति बना रही है।

प्रदेश में अवैध रेत का कारोबार सत्ता के संरक्षण में

विजय मत, रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अवैध रेत खनन पर अधिकारी मूकदर्शक बने हैं, राजनांदगांव, धमतरी, महासमुंद के बरबसपुर में अवैध रेत खनन की भरमार है, समझ नहीं आया की राजस्थान में हैं कि राजस्थान में हैं, पूरे अवैध रेत खनन का उत्खनन कर शासन और प्रशासन के साथ बेचा जा रहा है, बरबसपुर में ढाई एकड़ नहीं बल्कि सौ एकड़ खेत का रेत का उत्खनन हो रहा है, मैं तीन दिनों से रेत खदानों को देखने गया, तीन दोनों में हमने देखा अवैध रेत उत्खनन पुलिस, माइनिंग विभाग, प्रशासन के सानिध्य में चल रहा, गंगाधर ही शक्तिमान है। अर्थात जिनको रेत खदान में भराशाही रोकने की जिम्मेदारी है, वहीं लोग अवैध उत्खनन करवा रहे।

राज्य में अवैध शराब बिक रही है: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में खुले आम अवैध शराब बिक रही है। बीजेपी विपक्ष में रहते हुए विशाल गंगाजल के सम्मान में भाजपा मैदान में, शराब बंदी के लिए गंगाजल।यात्रा निकाली थी, आज यह सरकार गली गली शराब बेच रही, अब तो मिलावटी कर-के शराब बेच रही है, पूरे प्रदेश में नकली होलोग्राम चल रहा है, इस सरकार ने छत्तीसगढ़ को शराब का गढ़ बना दिया है, कौन है इसका जिम्मेदार, हम पूछना चाहते हैं सरकार अवैध शराब बिक्री रोकने ठोस उपाय क्यों नहीं कर रही?

सरकार किसानों को उर्वरक, बीज नहीं दे रही ताकि उत्पादन कम हो: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बोआई का काम आखिरी चरण में है, फिर बियासी और रोपा किया जाएगा, लेकिन डी एपी और खाद की कमी लगातार बनी हुई है, हम इसलिए सोसायटी का घेराव करने वाले हैं, किसान नेताओं ने वीडियो जारी किया है की, बीजेपी के विधायकों को गांव में घुसने नहीं देंगे, यदि घुसे तो बाहर नहीं निकलने देंगे, यह सरकार नहीं चाहती की धान का उत्पादन बढे। किसान ज्यादा धान पैदा करे।

सरकार ईरान में फंसे लोगों को सुरक्षित वापस लाये: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मांग किया कि राज्य सरकार को गंभीरता से ईरान और इजराइल में फंसे छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य लोगों की वापसी के लिए प्रयास करना चाहिए, डबल इंजन की सरकार है, केंद्र और राज्य को मिलकर इसके लिए प्रयास करना चाहिए।

आधार के उपयोग और अधिकतम लाभ विषय पर कार्यशाला

सीईओ बोले- आईटी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है छग

विजय मत, रायपुर

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद द्वारा आज राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में आधार से अधिकतम लाभ प्राप्त करना विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में आधार के व्यापक और प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

साथ ही आधार की उपयोगिता को जन-कल्याण की योजनाओं से जोड़ते हुए अधिक पारदर्शी एवं डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में आगे बढ़ना है। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन मुख्य सचिव अमिताभ जैन के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भुवनेश कुमार ने कहा कि आई.टी. के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ तीव्र गति से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि देश में लगभग 140 करोड़ आधार बने हैं, जिसकी सहायता से हितग्राहियों को सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आधार आम नागरिकों की प्रगति का सबसे बड़ा माध्यम बन गया है। उन्होंने जानकारी दी कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा आधार एनरोलमेंट और अपडेशन के लिए नवाचार का उपयोग कर नया साफ्टवेयर बना कर पूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जा रहा है, ताकि आधार बनाने की प्रक्रिया में होने वाली दिक्कत की आशंका को कम किया जा सके। आधार को और अधिक विश्वसनीय एवं प्रभावी बनाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र, पेन कार्ड, पासपोर्ट, मनरेगा, पी.डी.एस. आदि अनेक सेवाओं से इन्टीग्रेट किया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह ने कहा कि आधार से सुशासन और डिजिटल गवर्नेंस का लक्ष्य साधने में मदद मिल रही है। आधार, भारत का सबसे परिवर्तनकारी डिजिटल पहचान मंच बन चुका है, जिसकी सहायता से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने आधार की भूमिका को समावेशी, पारदर्शी और उत्तरदायी शासन की नींव बताते हुए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पेंशन, मनरेगा मजदूरी भुगतान, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं सहित कई सेवाओं में आधार का सफल इंटीग्रेशन किया है। इसके अलावा, ई-डिस्ट्रिक्ट, लोक सेवा गारंटी और राज्य डी.बी.टी. पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों में आधार की भूमिका को और अधिक सशक्त किया जा रहा है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

अहमदाबाद विमान दुर्घटना और सोशल मीडिया का घिनौना चेहरा

अहमदाबाद में हुई दुर्घटना में एयर इंडिया विमान के टेकआफ के चंद लम्हों बाद ही रिहायशी इलाके में गिरने से अभी तक 241 यात्रियों और क्रू मेंबर समेत 270 लोगों की जानें जा चुकी हैं। कितने ही घायल गंभीर हैं और मृत्यु का आंकड़ा और बढ़ सकता है। तकनीकी कारणों से डीएनए सैंपल जीवित परिवारजनों से मिलाने के काम में विलंब हो रहा है। कितने ही पीड़ित परिवार अंतिम संस्कार के लिए प्रियजनों के शव मिलने का त्रासद इंतज़ार झेल रहे हैं।

देश इस घटना के दंश से उबर भी नहीं पाया कि आपदा को अवसर मानकर व्यूज, लाइक्स और फालोवर्स की तलाश में निर्ममता की हदें पार करने वाले सोशल मीडिया वीर सक्रिय हो गए हैं। दुर्घटना में कोमी व्यास उनके पति प्रतीक जोशी, जुड़वां बेटे प्रद्युत और नकुल, और बेटी मिराया भी दिवंगत हुए हैं। कोमी के भाई कुलदीप भट्ट ने बताया है कि सोशल मीडिया पर उनके दिवंगत परिवारजनों की छेड़छाड़ की गई तस्वीरें और फर्जी वीडियो अपलोड हो रहे हैं। कोमी की फ्लाइट में ली गई सेल्फी को एआई के उपयोग से नकली वीडियो में बदल कर वायरल किया गया है। उसके नाम और तस्वीरों का गलत इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाए गए हैं। अभी तक डीएनए सैंपल का मिलान नहीं हुआ है मगर लोग एडिटेड वीडियो से बच्चों का अंतिम संस्कार होने का दावा कर रहे हैं। एक अन्य वीडियो में दिखाए जा रहे बच्चों के शव किसी अन्य दुर्घटना से संबंधित हैं। कुलदीप ने विनती की है कि सिर्फ व्यूज, लाइक्स और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए झूठी खबरें और वीडियो फैलाकर उनके दुःखी परिवार को और अधिक मानसिक आघात न दें। इससे सोशल मीडिया पर चल रहे उस पागलपन का घिनौना चेहरा फिर उजागर हो गया है जहां व्यूज, लाइक्स और फालोवर्स की लालच ने मानवीय संवेदनाओं का गला घोंट रखा है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

योग ही एकमात्र ऐसा रास्ता है, जो समस्त आशाओं का एकमात्र केंद्र बिंदु दिखाई देता है

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

> वर्तमान में वैश्विक परिदृश्य पर विभिन्न देशों के बीच जो युद्ध देखने को मिल रहे हैं, वह शांति की चाह रखने वाले लोगों के बीच निराशा का भाव पैदा करते हैं। क्योंकि स्वयं को श्रेष्ठ और मैं ही सही बाकी सब गलत का भाव रखने वाले वैश्विक नेतृत्वकर्ता कभी शांत चित्त हो पाएंगे, ऐसी कल्पना तक करना बेकार प्रतीत होता है। ऐसे में योग ही एकमात्र ऐसा रास्ता है जो हमें समस्त आशाओं का एकमात्र केंद्र बिंदु दिखाई देता है।

योग एक ऐसी अवस्था का नाम है जो मनुष्य के जीवन और उसकी देह को ही नहीं बल्कि आत्मा को भी परम तत्व की प्राप्ति कर देती है। अहिंसा, सत्य, अस्तेय यानि चोरी न करना, ब्रह्मचर्य यानि संयम, अपरिग्रह यानि संग्रह न करना, शौच यानि आंतरिक और बाहरी स्वच्छता, संतोष, तपस्या, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान यानि ईश्वरीय शक्ति के प्रति समर्पण, योग के ऐसे दस नियम हैं, जिनका पालन करके मनुष्य ईश्वरत्व को भी प्राप्त हो जाता है। किंतु अखिल विश्व इस पवित्र विद्या से लंबे कालखंड तक वंचित बना रहा। उसी का नतीजा है कि आज मनुष्य की तृष्णा शांत होने का नाम नहीं लेती। यह तृष्णा यश कीर्ति की है, धन प्राप्ति की है, अधिकार वाद की है, जो कि तृप्त होने को तैयार दिखाई नहीं देती। यही वजह है कि जहां देखो वहीं लड़ाई झगड़ा, वाद विवाद, घोषित अघोषित युद्ध घटित हो रहे हैं, जो रुकने का नाम ही नहीं लेते। संक्षिप्त में कहें तो अधिक, और अधिक पाने की चाह ने व्यक्ति को अशांत तथा आक्रांता बना दिया है। मनुष्य का यही स्वभाव सारे लड़ाई झगड़ों की जड़ है। इसी के चलते विश्व के किसी न किसी छोटे बड़े भूभाग पर सदैव ही युद्ध अथवा उग्रवाद अस्तित्व में बना रहता है। इसे समझने के लिए हमें राजकुमार सिद्धार्थ से भगवान बन गए गौतम बुद्ध के जीवन दर्शन को समझना होगा। कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ का रुझान बचपन से सत्य को जानने की ओर केंद्रित था। उनके माता-पिता को इस बात का डर था कि बेटा इस शांत चित्त भाव के चलते कहीं बाबा जोगी ना बन जाए। इसी चिंता के चलते उन्होंने राजकुमार सिद्धार्थ को ऐश्वर्य वैभव पूर्ण जीवन की मर्यादाओं से भी आगे बढ़कर विलासिता पूर्ण पालन पोषण में घेर कर रख दिया। लेकिन यह योग का ही बल था कि उनका चित्त इन भौतिक उपलब्धताओं में आसक्त नहीं हुआ। उन्हें जब कभी भी अपने महल से बाहर जाने का अवसर मिलता तब वे सामाजिक परिवेश को देखकर यही सोचते कि सब कुछ होने के बावजूद मनुष्य परेशान क्यों है। क्यों व्यक्ति बचपन में केवल भोज्य और पेय पदार्थों के लिए ही रोता बिलखता रहता है। क्यों किशोरावस्था में भोग और विलास की ओर उन्मुख हो उठता है। वह जानता है कि एक दिन मृत्यु को प्राप्त होकर खाली हाथ अनंत यात्रा की ओर अग्रसर हो जाना है। फिर भी अधिक और अधिक प्राप्त करने की चाह रखते हुए उचित अनुचित कृत्य करने लगता है। इसी आपाधापी में न जाने कब ऊर्जा युक्त जीवन हाथ से फिसलता चला जाता है और फिर शारीरिक अवस्था डोलने लगती है। शरीर विभिन्न रोगों का घर बन जाता है। अंततः मन और मस्तिष्क को अत्यंत प्रिय लगने वाली देह एक दिन मिट्टी में मिल जाती है। यह सब देखकर हम समझ ही नहीं पाते कि मनुष्य क्यों पैदा हुआ और किस लिए जीवन की आपाधापी में लगा रहा और फिर एक दिन जीवन को निरर्थक प्रमाणित करता हुआ मृत्यु को प्राप्त हो गया। राजकुमार सिद्धार्थ को इन सवालों ने जब-जब उद्वेलित किया तब तब उन्हें ध्यानस्थ होने पर शांति की अनुभूति हुई। जैसा कि पूर्व में लिखा जा चुका है राजकुमार सिद्धार्थ के माता-पिता को यह चिंता खाए जाती थी कि बेटा योग साधना में रुचि रखने के चलते कहीं बाबा जोगी ना बन जाए। इसलिए उनके ध्यान मग्न होने में व्यवधान पैदा होता रहा। क्योंकि वह जीवन और मृत्यु का सत्य जानना चाहते थे, जो महलों में रहते संभव नहीं था। सो अवसर पाकर अर्ध रात्रि में पत्नी यशोधरा, पुत्र राहुल को सोता छोड़कर वन की ओर प्रस्थान कर गए। अब उन्हें तलाश थी एक ऐसे स्थान की, जहां किसी भी प्रकार के व्यवधान की आशंका न हो और ध्यान मग्न होकर बोधिसत्व को प्राप्त किया जा सके। आखिर गया जी में जाकर उनकी यह साध पूरी हुई। वहां एक वृक्ष के नीचे उन्होंने योग साधना की और ऐसे ध्यान मग्न हुए कि लंबे समय के लिए समाधिस्थ होकर रह गए। यह योग की ही देन थी कि जब उनकी समाधि पूर्ण हुई तो सामान्य अवस्था को प्राप्त होने पर उन्होंने स्वयं को समस्त चिंताओं और आसक्तियों से मुक्त महसूस किया। जीवन और मृत्यु का सार समझ में आ गया। भौतिक रूप से उपलब्धियां और उपलब्धताओं को प्राप्त करने की आपाधापी एकदम निरर्थक साबित हो गई। तब उन्हें लगा कि इस सात्विक विचार से पूरे विश्व का साक्षात्कार होना चाहिए। ताकि केवल मनुष्य ही नहीं वरन् जीव मात्र को सत्य, प्रेम और अहिंसा का सही मार्ग दिखाया एवं समझाया जा सके।

बस यही से बुद्ध धर्म की स्थापना हुई। इस पवित्र विचार ने ऐसे ऐसे रक्त पिपासुओं को अहिंसा का पुजारी बना दिया, जो मानो युद्धों का आगाज और अंजाम तक पहुंचाने के लिए ही पैदा हुए थे और संभवत इसीलिए जिंदा भी थे। लेकिन खेद जनक बात यह है कि इस विचार को भौतिक विकास को प्राथमिकता देने वाली शिक्षा नीति ने दुनिया भर से उपेक्षित कर दिया। फल स्वरुप वो देश भी विस्तारवाद की अपवित्र नीति के पोषक और अनुसरण कर्ता बन गए जो स्वयं को भगवान बुद्ध को मानने वाला कहते नहीं थकते। नतीजतन हर कहीं अशांति और एक दूसरे को नष्ट कर देने का भाव पैर पसारता चला गया। लेकिन भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति में आने से पहले और राजनीति में रहते हुए योग साधना की ताकत को काफी गंभीरता से महसूस किया। उन्होंने लंबे अध्ययन के बाद प्राप्त अपने अनुभवों को साझा करते हुए कई बार अनेक विद्वानों से यह उत्सुकता प्रकट की, कि जो योग साधना विलासिता पूर्ण जीवन में पहले बढ़े राजकुमार सिद्धार्थ को भगवान गौतम बुद्ध बना सकता है, क्यों न उसे विश्व भर में प्रचारित प्रसारित करके जीव मात्र का भला किया जाए! राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक रहते और अन्य दायित्वों का निर्वहन करते उन्होंने इस विचार को जीवंत बनाए रखा। संघ की शाखाओं के माध्यम से उन्हें इस विचार को और अधिक पोषित एवं सुदृढ़ करने का निरंतर अवसर मिलता रहा। यानि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं भगवान गौतम बुद्ध के जीवन दर्शन के माध्यम से योग को और अधिक मजबूती प्रदान करने में सर्वाधिक उत्तम माध्यम साबित हुईं। जब उन्हें गुजरात का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बनने का अवसर प्राप्त हुआ तो फिर उन्होंने इस विचार को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में पूरी ताकत लगा दी।

- लेखक-स्वतंत्र पत्रकार हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

इजराईल - ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

प्रहलाद सबनानी

रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराईल - ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत - पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुक्सान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराईल - ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजराईल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजराईल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराईल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराईल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराईल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है। ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ौसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

> वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है।

वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराईल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराईल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराईल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजराईल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराईल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराईल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम; सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय एवं सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराईल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता। उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झौंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य योग से वैश्विक संतुलन की ओर

योगेश कुमार गोयल

दुनिया भर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। इस वर्ष भारत में 'योग संगम 2025' के तहत आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और हजारों संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। अनुमान है कि इस आयोजन में 5 लाख से अधिक लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे, जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड होगा। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वैतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8404

■	1		2	3	■	4		5
6		■	7		8	■	■	
9		10	■	11				
■	12		13	■		■	■	
14	■	15		■	16	17	■	
	■	■		■	18		19	■
20				21	■	22		23
	■	■	24		25	■	26	
27			■	28				■

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित, संरक्षित-4
4. उत्सुकता, जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार, प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट, तश्तरी-3
15. रहस्य, भेद-2
16. जी, चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल, टोंटी-3
24. देवर्षि, देवमुनि-3
26. गुप्तचर, जासूस-2
27. गमन, विदा होना-3
28. ईश्वर, रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा, मर्जी-2
3. अंधकार, अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल, कीमत, दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार, अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम, नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत, भाव-2

शब्द पहेली -8403 का हल

श	ब	न	म	■	■	आ	का	श
रा	■	■	स्त	र	ही	न	■	म
रा	त	■	■	सी	ना	■	■	शी
■	र	ग	■	ला	■	क	बी	र
■	का	ज	ल	■	अ	स	र	■
क	री	ब	■	मि	■	र	ब	■
रा	■	■	चा	रा	■	■	ल	ब
मा	■	रा	ह	ज	नी	■	■	हा
त	र	ह	■	■	म	ज	बू	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	04.51 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	07.08 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.24 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.36 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.47 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.01 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.17 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.23 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.09 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	मीन	23.42 बजे से
		मेष	01.12 बजे से
		वृष	02.53 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 172 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 07.19 बजे तदनन्तर एकादशी 04.28 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 19.50 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 20.29 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 07.19 बजे, बव 17.56 बजे तदनन्तर बालव 04.28 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 26' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872382 **जूलियन दिन** 2460847.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 24 **विशेष** योगिनी एकादशी, वर्ष का सबसे बड़ा दिन, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

विशेष पिछड़ी जनजाति की दो छात्राओं का प्रयास विद्यालय में चयन

एमसीबी। विकासखंड भरतपुर के मा.शा.देवगढ़ की दो होनहार छात्राएं कु. काजल बैगा एवं कु. शशिकला बैगा ने प्रयास विद्यालय हेतु आयोजित चयन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। इन दोनों छात्राओं का चयन प्रतिष्ठित प्रयास विद्यालय में हुआ है। विशेष पिछड़ी जनजाति से संबंधित इन बच्चियों ने कठिन परिश्रम और लगन से न सिर्फ अपने परिवार का, बल्कि पूरे ग्राम देवगढ़, विकासखंड भरतपुर और जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों और विद्यालय परिवार ने कु. काजल बैगा एवं कु. शशिकला बैगा को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

सुरक्षा कर्मी भर्ती आयोजित किए जाएंगे पंजीयन शिविर

कोण्डागांव। युवाओं को सुरक्षा कर्मी भर्ती में शामिल होने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार ने रक्षित केन्द्र के रक्षित निरीक्षक सहित थाना प्रभारियों को पंजीयन शिविर के आयोजन हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। एसआईएस द्वारा इसके लिए जिले के विभिन्न थानों में पंजीयन शिविर आयोजित किए जाएंगे। केशकाल थाना परिसर में 27 जून एवं 02 सितम्बर को, फरसगांव थाना परिसर में 28 जून एवं 03 सितम्बर को, विश्रामपुरी थाना परिसर में 30 जून और 4 सितम्बर को, धनोरा थाना परिसर में 01 जुलाई और 05 सितम्बर को, माकड़ी थाना परिसर में 02 जुलाई और 06 सितम्बर को, कोण्डागांव थाना परिसर में 03 जुलाई और 08 सितम्बर को तथा रक्षित केन्द्र कोण्डगांव में 04 जुलाई और 09 सितम्बर को सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक पंजीयन शिविर आयोजित किए जाएंगे।

चैंबर ने उद्योगों पर नये विद्युत टेरिफ लगाने पर जताई आपत्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स ने उद्योगों के लिए विद्युत दरों के रेट बढ़ाने के लिए हुई जनसुनवाई ने अपनी आपत्ति दर्ज करायी है। चेंबर ने एक पत्र लिखकर अपना विरोध जताया है।छग चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष सतीश थैरानी ने बताया कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा टेरिफ निर्धारण हेतु आज जनसुनवाई हो रही है। इस जनसुनवाई में स्थानीय निकाय नगर निगम निम्ब दाब उद्योग समस्त उच्च दाब के दरों का पुनरीक्षण किया जाएगा। अध्यक्ष के अनुसार हमने आयोग की वेबसाइट पर अपना आपत्ति दर्ज करा दी है इसके अलावा सुझाव भी दिया है कि विद्युत दरों को सामान्य रखें। अध्यक्ष के अनुसार इस समय उद्योग संकट के दौर से गुजर रहे इसलिए विद्युत दरों को बढ़ावा उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में यहां पर उद्योग चल रहे हैं। जिसमें हजारों लोग काम कर रहे हैं। विद्युत दर को बढ़ाने से उद्योगपतियों को घाटा हो जाएगा।ज्ञात रहे कांग्रेसजनों ने कल लालटेन लेकर विद्युत नियामक उद्योग के शांतिनगर स्थित कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया था। आयोग के सचिव के अनुसार आज विभिन्न पालियों में सुनवाई के पश्चात निम्नलिखित याचिकाओं के साथ इस पर भी सुनवाई क्रमशः सीएसपीडीसीएल द्वारा अतिरिक्त पूंजीगत निवेश योजना के अनुमोदन, सीएसपीडीसीएल द्वारा वित्तीय वर्ष के लिए नये टेरिफ आर्डर का पुनरीक्षण सीमेंट उद्योग द्वारा जनरेटर पर लागू होने वाले ट्रांसमीशन चार्ज की युक्तियुक्तकरण एवं जनरेटर एसोसिएशन के याचिकाओं पर विचार होगा। ज्ञात रहे कांग्रेसजनों ने कल लालटेन लेकर विद्युत नियामक उद्योग के शांतिनगर स्थित कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन आगे भी जारी रखने का निश्चय किया गया है।

अवैध रूप से भंडारित सागौन लकड़ी जप्त

मोहला। वनमण्डलाधिकारी दिनेश पटेल के निर्देशन में परिक्षेत्र चौकी के अंतर्गत नेताम टोला में पंचु राम के घर में छापा मारा गया। पंचु राम के घर एवं बाड़ी में 115 नग सागौन लठ्ठा एवं 92 नग सागौन चिरान जप्त किया गया। कुल 6.820 घन मीटर लकड़ी जप्त किया गया है। जिसका विधिवत कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही में मनेंद्र कुमार सिरदार उपवनमंडलाधिकारी, वीरेन्द्र कुमार पटेल उप मंडल प्रबंधक, मनीराम पाल परिक्षेत्र सहायक, सुनील शर्मा परिक्षेत्र अधिकारी, देवेन्द्र चौबे परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी, देववाड़वी परिक्षेत्र, रविशंकर पारकर सहायक परियोजना क्षेत्रपाल, धरमलाल कोरटिया उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों को दिया जा रहा नवीन कानूनों का प्रशिक्षण सत्र का हुआ समापन

नवीन कानून पीड़ितों को न्याय दिलाने की राह को आसान बनाता है: कलेक्टर

विजय मत, सूरजपुर

जिले की पुलिस के द्वारा जिला प्रशासन के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को नवीन कानूनों की बारीकियों से अवगत कराने 6 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन स्थानीय ऑडिटोरियम हॉल में किया जिसका शुक्रवार, 20 जून 2025 को समापन हुआ। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों को कलेक्टर व डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने स्मृति चिन्ह प्रदाय कर सम्मानित किया है और सभी प्रशिक्षणार्थियों को नशे से दूर रहने एवं नशा पीड़ितों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर उन्हें नशामुक्ति के लिए प्रेरित का संकल्प दिलाया।इस अवसर पर वक्ताओं ने बताया कि नवीन कानूनों की जानकारी हमें न केवल अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने में मदद करती है, बल्कि यह हमें एक सुरक्षित और न्यायसंगत समाज के निर्माण में भी सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती है और नए कानून पीड़ितों को न्याय दिलाने की राह को आसान बनाता है। प्रशिक्षण सत्र के समापन अवसर पर कलेक्टर सूरजपुर एस.जयवर्धन ने कहा कि नवीन कानूनों की जानकारी होना बहुत जरूरी है, क्योंकि ये कानून हमारे अधिकारों और कर्तव्यों को परिभाषित करते हैं, और समाज में व्यवस्था बनाए रखने में मदद करते हैं। नए कानूनों के बारे में जानकर, सभी अपने अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं, अपने कर्तव्यों को समझ सकते हैं, और न्याय प्रक्रिया में भाग

ले सकते हैं। हम अपने बच्चों और साथियों को कहते है कि कानून की जानकारी रखे इसके लिए हमें खुद भी जागरूक रहकर नए कानूनों से अवगत होना होगा। उन्होंने प्रशासन के सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को नवीन कानूनों का प्रशिक्षण दिलाने पुलिस की इस मुहिम की सराहना की। कलेक्टर व डीआईजी/ एसएसपी सूरजपुर ने पूरे प्रशिक्षण सत्र में जिला प्रशासन के अन्तर्गत सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को नवीन कानूनों का प्रशिक्षण देने के लिए मास्टर ट्रेनर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, एसआई विराट विशी एवं एएसआई सुनील भारती को स्मृति चिन्ह प्रदाय कर सम्मानित किया। इस प्रशिक्षण में पुलिस, राजस्व, बैंक, स्वास्थ्य विभाग, श्रम सहित अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित हुए।

नए कानून पीड़ितों को न्याय दिलाने की राह आसान बनाता है

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि नए कानून के तहत सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने में काफी सहायक हैं। कानूनों के बारे में जानकारी होने से हम न्याय प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। हम जान सकते हैं कि हमारे क्या अधिकार हैं, और यदि हमारे साथ कोई अन्याय होता है, तो हम उचित कानूनी कार्यवाही कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नए कानून हमारे अधिकारों और कर्तव्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हैं। आपराधिक कानूनों में पीड़ितों के अधिकारों को अधिक महत्व दिया गया है और दोषियों को सजा देने की प्रक्रिया को तेज किया गया है। जब हम कानूनों को समझते हैं। तो हम उनका सम्मान करते है यह सुशासित और न्यायसंगत समाज की ओर ले जाता है।

कृषि विभाग की महादेव कांवरे ने ली समीक्षा बैठक

संभागायुक्त कांवरे ने एनपीके और सुपर फास्फेट खाद को बढ़ावा देने दिए निर्देश

विजय मत, रायपुर

संभागायुक्त महादेव कांवरे ने आज कृषि विभाग की समीक्षा बैठक ली। इसमें सभी जिलों में बीज एवं खाद्य के भंडारण वितरण की जानकारी ली गई। कांवरे ने डीएपी की कमी को देखते हुए सहकारी समितियों में एनपीके और सुपर फास्फेट खाद को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सरकारी समितियों में किसानों को इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि समितियों में पोस्टर लगाए गए हैं और खाद का भंडारण पर्याप्त मात्रा में है, यूरिया की भी कहीं कोई कमी नहीं हैं। बैठक में ऋण वितरण की भी समीक्षा की गई। इस दौरान महासमुंद जिले में ऋण देने का दर कम होने पर सहकारी बैंक को बढ़ाने के निर्देशित किया गया। बैठक में बताया गया कि रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी जिलों में ऋण वितरण की स्थिति अच्छी है। संभागायुक्त कांवरे ने अधिकारियों को

निर्देशित किया की संभाग के किसानों किसी प्रकार की तकलीफ ना हो। अधिकारियों ने बताया कि रायपुर संभाग में खाद की कुल भंडारण संख्या 1 लाख 30 हजार 352 टन का हुआ है, जिसमें से 1 अप्रैल 2025 तक 89 हजार 537 टन खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है। इसी प्रकार धान बीज का कुल भंडारण 1 लाख 29 हजार 799 क्विंटल किया गया। जिसमें से 93 हजार 586 क्विंटल का वितरण किया जा चुका है। किसान बीज की स्थिति में 98 प्रतिशत भंडारण हो चुका हैं साथ ही 52 प्रतिशत का वितरण भी हो चूका है। धान के अलावा अन्य दल्हन बीजों का भी भण्डारण हो रहा है। बैठक में कृषि विभाग के संयुक्त संचालक गयाराम, सहकारी बैंक की सीईओ श्रीमती अपेक्षा व्यास तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

5 राइस मिल व पंचवटी ढाबा का किया गया निरीक्षण

बाल श्रमिक सर्वेक्षण अभियान के तहत टास्क फोर्स ने किया निरीक्षण

विजय मत, सूरजपुर

कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर 30 जून तक जिले में बाल श्रमिक सर्वेक्षण अभियान का संचालन टास्क फोर्स द्वारा किया जा रहा है। जिसके तहत आज टास्क फोर्स द्वारा औद्योगिक क्षेत्र नयनपुर, गिश्वरगंज व सूरजपुर में संचालित 05 राइस मिल, महामाया राइस मिल, मित्तल राईस मिल, साकेत प्रोडक्ट इंडस्ट्रीज, ओम राइस प्रोडक्ट्स, विद्या गैस इण्डस्ट्रीज एवं पंचवटी ढाबा में निरीक्षण किया गया। जिसमें संचालकों को बाल श्रमिक अधिनियम के संबंध मे जानकारी दी गई एवं बाल श्रम उन्मूलन हेतु ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करने की अपील भी की गई। इसके साथ ही बाल श्रम से संबंधी सूचना के प्रदर्शन हेतु निर्देशित किया गया।कार्यरत मजदूरों से उनके पारिश्रमिक एवं भुगतान संबंधी जानकारी लेते हुए

उन्हें उनके हितों एवं विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

बाल एवं किशोर श्रम से संबंधित शिकायत के लिए जिला प्रशासन द्वारा मोबाइल नंबर जारी किया गया है। जिसके तहत श्रम कल्याण निरीक्षण रमेश साहू मो. नं. 9009998660, , श्रम निरीक्षक मो. असलम परवेज कादरी मो.न. 7247679978 तथा श्रम उप निरीक्षक पंखासियुस मो.न. 9479219748 से संपर्क कर आम नागरिक बाल श्रम से संबंधित सूचना दे सकते है। निरीक्षण में श्रम पदाधिकारी के. केरकेट्टा, श्रम निरीक्षक मो. असलम परवेज कादरी, श्रम कल्याण निरीक्षण रमेश साहू, श्रम उप निरीक्षक पंखासियुस, जिला बाल संरक्षण इकाई से अंजनी साहू, सामाजिक कार्यकर्ता पवन बीवर, आउटरीच वर्कर सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

सुदूर बीजापुर के गुंजेपर्ती में अब हर घर नल से पहुंच रहा जल

विजय मत, बीजापुर

जल जीवन मिशन दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पेयजल व्यवस्था की तस्वीर बदल रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की नियद नेल्ला नार योजना और भारत सरकार के जल जीवन मिशन से घने जंगलों के बीच बसा बीजापुर जिले के उसूर विकासखण्ड का गुंजेपर्ती अब जल समृद्ध गांव बन गया है। ग्राम पंचायत गलगम के करीब 80 घरों वाले इस आश्रित गांव में जल जीवन मिशन ने पेयजल के लिए हैंडपंपों और नदी पर निर्भरता खत्म कर दी है। वहां के सभी घरों में पाइपलाइनों के जरिए नल से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। जल जीवन मिशन न केवल ग्रामीणों की प्यास बुझा रहा है, बल्कि कई परिवार अतिरिक्त जल का सदुपपयोग कर अपने घरों में सब्जी-भाजी भी उगा रहे हैं। अतिरिक्त जल और उपयोग किए हुए जल के प्रबंधन से गांव साफ-सुथरा हुआ है। इससे जल के उपयोग के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता भी बढ़ी है। जल जीवन मिशन के तहत गुंजेपर्ती में पेयजल की आपूर्ति के लिए 21 लाख रुपए से अधिक की लागत

से 3262 मीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। वहां सौर ऊर्जा से संचालित तीन जल आपूर्ति सिस्टम भी स्थापित किए गए हैं। पहले यहां के लोग पानी की सभी जरूरतों के लिए हैण्डपंपों और नदी पर ही निर्भर थे। पानी की व्यवस्था के लिए महिलाओं को रोज घर से दूर हैंडपंप या नदी तक जाना पड़ता था। इसमें प्रतिदिन उनका बहुत सा समय यूं ही निकल जाता था। पर अब जल जीवन मिशन से उनके घर-आंगन तक नल से पानी पहुंच रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम पंचायत को जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन, प्रबंधन और निगरानी की जिम्मेदारी भी हस्तांतरित की गई है।

जहरीले करैत सांप के काटने से युवक ने तोड़ा इलाज के दौरान दम

विजय मत, कोरबा

कोरबा ज़िले के ग्राम बिरदा में एक जहरीले करैत सांप के काटने से युवक की मृत्यु हो गई। युवक अपने कमरे में सो रहा था, तभी देर रात सांप ने उसे काट लिया। युवक की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। वहीं करीब 19 घंटे बाद उसी कमरे से जहरीले करैत सांप को पकड़कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया।जानकारी के अनुसार, 25 वर्षीय गोपी यादव ग्राम बिरदा का रहने वाला था। रात करीब 2 बजे वह जब अपने कमरे में सो रहा था। उसी दौरान एक जहरीला सांप उसके ऊपर चढ़ गया और नींद में हलचल महसूस करते ही जैसे ही उसने हाथ से उसे हटाने की कोशिश की, सांप ने सीने के पास उसे डस लिया। गोपी ने फौरन दूसरे हाथ से सांप को पकड़ कर दूर फेंका, जो दीवार के एक छेद में जा छिपा। गोपी की चीख सुनकर परिजन नींद से उठ गए और तुरंत उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। जिस कमरे में गोपी को सांप ने काटा था, उसी कमरे में अगले दिन सुबह तक नजर रखी गई। परिजनों ने जैसे ही सांप को कमरे से निकलते देखा,

हिम्मत दिखाकर परिजनों ने उसे एक टोकरी में ढककर ऊपर पत्थर रख दिया। इसके बाद नोवा नेचरकी टीम को सूचना दी गई। सुबह करीब 9 बजे रेस्क्यू टीम ने पहुंचकर लगभग 4 फीट लंबे करैत सांप को सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। गोपी यादव गुपचुप (चाय-नाश्ते) की दुकान चलाता था और उसकी शादी को सिर्फ एक साल हुआ था। उसकी एक चार माह की बेटी भी है। परिवार ने तय किया कि अंतिम संस्कार से पहले बेटी के हाथों से मिट्टी दी जाए। यह भावुक पल देख सभी की आंखें नम हो गईं। घटना के बाद से पत्नी और परिजन शोक में डूबे हैं। स्नेक कैचर जितेंद्र सारथी ने बताया कि यह सांप करैत प्रजाति का था।

धरती आबा जनभागीदारी अभियान

डौण्डी विकासखण्ड के गुदुम में आयोजित किया जाएगा आज लाभ संतृप्ति शिविर

बालोद। धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत आज जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम गुदुम में लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न स्थानों में आयोजित लाभ संतृप्ति शिविरों के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित की गई है। इन क्षेत्रों में निवास करने वाले जनजातीय परिवार के लोगों को मुनादी एवं अन्य माध्यमों से शिविर आयोजन के जानकारी देने के साथ-साथ अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में उपस्थित होकर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार के द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में सेवाओं एवं अन्य बुनियादी ढांचों को परिपूर्णता प्रदान करने तथा जनजातीय वर्ग के अंतिम पक्ति के हितग्राहियों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों से परिपूर्ण करने के उद्देश्य से धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 15 जून से 30 जून तक जिले के सभी पांचों विकासखण्डों के अलग-अलग गांवों में क्लस्टर बनाकर निरंतर लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविर आयोजन हेतु बनाए गए क्लस्टर में आसपास के ग्राम पंचायतों में शामिल गांवों को शामिल किया गया है।

खास-खबर

7565 लीटर महुआ मदिरा, 1356 लीटर देशी एवं 990 लीटर अंग्रेजी मदिरा सम्मिलित

जिला पुलिस ने जप्तशुदा अवैध मादक द्रव्य पदार्थ का किया विधिवत नष्टीकरण

विजय मत, कोरबा

कोरबा जिले में पुलिस लाइन, कोरबा में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकियों में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज न्यायालय से निराकृत 1866 प्रकरणों में जप्त 10,000 लीटर अवैध मादक द्रव्य पदार्थ का विधिवत नष्टीकरण किया गया। इन प्रकरणों में जब्त अवैध मादक द्रव्य पदार्थ के अंतर्गत 7565 लीटर महुआ मदिरा, 1356 लीटर देशी एवं 990 लीटर अंग्रेजी मदिरा सम्मिलित है। सबसे अधिक 346 प्रकरण थाना कटघोरा, 209 प्रकरण थाना बांकीमोंगरा तथा 200 प्रकरण थाना बांगो से संबंधित हैं, शेष प्रकरण जिले के अन्य थानों से प्राप्त हुए हैं।यह कार्यवाही कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कोरबा द्वारा गठित समिति की उपस्थिति में संपन्न हुई। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल से प्राप्त प्रमाण-पत्र के आधार पर, यह

नष्टीकरण पूरी पारदर्शिता एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप किया गया। संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व कोरबा जिले में पुलिस द्वारा 852 लावारिस वाहनों की नीलामी एवं 652 विसरा प्रकरणों का भी विधिवत नष्टीकरण किया जा चुका है। इस प्रकार की कार्यवाही से थानों में वर्षों से संग्रहित अनुपयोगी जप्त अवैध मादक द्रव्य पदार्थ के व्यवस्थित निपटान में सहायता मिली है।

यह न केवल कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करती है, बल्कि थाना परिसरों में स्वच्छता, स्थान की उपलब्धता एवं सुव्यवस्था बनाए रखने की दिशा में भी महत्त्वपूर्ण कदम है।

इससे कार्यरत पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनता है। जिला पुलिस द्वारा थानों को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं उत्तरदायी बनाए रखने की दिशा में इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी अनवरत रूप से की जाती रहेगी।

समस्याओं के निराकरण होने पर जनजातीय महिलाओं ने की शिविर की सराहना

आधार कार्ड बनने तथा नया राशन कार्ड की सौगात मिलने पर अभिभूत हुई दामिन बाई एवं इयन बाई

विजय मत, रायपुर

केन्द्र सरकार के द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में सेवाओं एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने तथा उनके व्यक्तिगत अधिकारों से परिपूर्ण करने के उद्देश्य से धरती आबा संचालित की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर में जनजातीय समाज के लोगों को शासन के विभिन्न जन कल्याणकारी योजना अत्यंत लाभप्रद सिद्ध हो रहा है। बालोद जिले में आयोजित लाभ संतृप्ति शिविरों के माध्यम से शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ मिलने से जनजातीय समाज के लोगों ने

शासन की इस महत्वपूर्ण पहल एवं जनहितैषी कदम की भूरी-भूरी सराहना की है। इसी कड़ी में बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम मार्री बंगला में आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर के माध्यम से उनके बहुप्रतीक्षित समस्याओं के निराकरण होने पर जनजातीय समाज के ग्रामीण महिलाओं ने शिविर के आयोजन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। शिविर के माध्यम से अपने नन्हें पुत्र तेजस के आधार कार्ड का पंजीयन होने से ग्राम मार्री बंगला निवासी दामिन बाई तथा गहिरा नवागांव निवासी इयन बाई का नया राशन कार्ड बनने से दोनों महिलाएं बहुत ही अभिभूत नजर आ रही थी। ग्राम मार्री बंगला निवासी दामिन बाई ने बताया कि अपने पारिवारिक जिम्मेदारी एवं घरेलू कार्य में व्यस्त होने के कारण वे चाह कर भी अपने नन्हें बालक तेजस का आधार कार्ड बनवाने के लिए पास के गांव देवरी के च्वाइस सेंटर में नहीं जा पा रही थी। जिसके कारण वे परेशान भी हो जाती थी।

तेलीबांधा में तीन ठेला संचालक गिरफ्तार

विजय मत, रायपुर

तेलीबांधा क्षेत्र अंतर्गत थाना क्षेत्र के ठेला एवं दुकान चेकिंग के दौरान तीन ठेलो में नशीले पदार्थ सेवन करने में इस्तेमाल गोगो पाए जाने से ठेला संचालकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है। बता दें कि इससे पहले पास गुढियारी थाना क्षेत्र के पान ठेले में गांजा पीने में उपयोग किये जाने वाले गोगो मिलने से दुकान को सीलबंद कर कार्यवाही किया गया तथा दुकान संचालको पर पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया।

उमेश कुमार वर्मा पिता कृष्ण कुमार वर्मा उम्र 22 वर्ष पता झंडा चौक सूरज नगर लाभांडी थाना तेलीबांधा (2) मणिराज

जायसवाल पिता भारत जायसवाल उम्र 39 वर्ष पता शीतला मंदिर के पास लाभांडी थाना तेलीबांधा (3) मनजीत कुमार भारती पिता विशाल भारती उम्र 33 वर्ष पता पार्षद कार्यालय के पास लाभांडी थाना तेलीबांधा जिला रायपुर को माननीय एसडीएम न्यायालय पेश हेतु रवाना किया गया गुढियारी इलाके में भी कार्रवाई

कबीर पान पैलेस पहाडी चौक के संचालक भोलाराम साहू पिता भूषण दास साहू उम्र 32 वर्ष पता स्वागत विहार वृन्दावन कालोनी पेट्रोल पम्प के पीछे थाना आमानाका जिला रायपुर 2) लक्की पान पैलेस दुर्गा चौक के संचालक राजेश साहू पिता दुखूराम साहू उम्र 42 वर्ष पता दुर्गा चौक अशोक नगर थाना गुढियारी जिला रायपुर 3) निषाद पान पैलेस महतारी चौक के संचालक घनश्याम निषाद पिता स्व0 उदयराम उम्र 53 वर्ष पता महतारी चौक थाना गुढियारी जिला रायपुर 4) श्रीपान पैलेस भारत माता चौक के संचालक पवन साहू पिता कुज बिहारी साहू उम्र 23 वर्ष पता प्रीतम नगर नाला के पास थाना गुढियारी जिला रायपुर।

पान पैलेस की 5 दुकानों को रायपुर पुलिस ने किया सील

उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा अवैध नशे एवं नशे हेतु उपयोग की गयी सामाग्री बेचने वालो पर प्रभावी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। थाना गुढियारी क्षेत्र के संदिग्ध पान दुकान/ ठेला/ गुमटी को थाना गुढियारी पुलिस टीम के द्वारा चेक किया गया। कबीर पान पैलेस पहाडी चौक के संचालक भोलाराम साहू पिता भूषण दास साहू उम्र 32 वर्ष पता स्वागत विहार वृन्दावन कालोनी पेट्रोल पम्प के पीछे थाना आमानाका जिला रायपुर 2) लक्की पान पैलेस दुर्गा चौक के संचालक राजेश साहू पिता दुखूराम साहू उम्र 42 वर्ष पता दुर्गा चौक अशोक नगर थाना गुढियारी जिला रायपुर 3) निषाद पान पैलेस महतारी चौक के संचालक घनश्याम निषाद पिता स्व. उदयराम उम्र 53 वर्ष पता महतारी चौक थाना गुढियारी जिला रायपुर 4) श्रीपान पैलेस भारत माता चौक के संचालक पवन साहू पिता कुज बिहारी साहू उम्र 23 वर्ष पता प्रीतम नगर नाला के पास थाना गुढियारी जिला रायपुर के पान ठेले में गांजा पीने में उपयोग किये जाने वाले गोगो मिलने से दुकान

को सीलबंद कर कार्यवाही किया गया तथा दुकान संचालको पर पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया।

चखना सेंटर तोड़ने की हुई कार्रवाई

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 1 की टीम द्वारा जोन कमिश्नर डॉक्टर दिव्या चंद्रवंशी के नेतृत्व और कार्यपालन अभियंता डी. के. पैकरा और सहायक अभियंता शरद देशमुख सहित अन्य सम्बंधित जोन 1 अधिकारियों की स्थल पर उपस्थिति में नगर निगम जोन 1 क्षेत्र अंतर्गत रिंग रोड में शराब दुकान और अन्य अवैध निमार्णों को अभियान चलाकर तोड़ने की कार्यवाही की गयी है. जोन 1 के अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर अत्यधिक यातायात जाम होने और अत्यधिक मात्रा में प्लास्टिक कचरा फैलाने की जनशिकायत स्थल निरीक्षण के दौरान सही पाए जाने पर नगर निगम जोन 1 की टीम द्वारा स्थल पर पहुंचकर चखना सेंटर को तोड़ने की कार्यवाही की गयी है।

चाय-नाश्ता के दुकान में अवैध नशे का कारोबार चलाते युवक धराया

विजय मत, रायपुर

राजधानी के उरला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेंद्री में एक युवक द्वारा चाय-नाश्ते की दुकान की आड़ में नशे का कारोबार किए जाने की सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 21 पुड़िया (65 ग्राम) गांजा और 50 पव्वा अंग्रेजी शराब (गोवा) बरामद की गई है। जब्त सामग्री की कुल कीमत 8200 रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई को उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर के निर्देशन में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अंजाम दिया गया। सूचना मिलने पर उरला थाना पुलिस ने ग्राम बेंद्री स्थित दुकान में घेराबंदी कर दबिश दी, जहां आरोपी युवराज निषाद पिता

मैकू निषाद (उम्र 19 वर्ष, निवासी बेंद्री, थाना उरला) को मौके से गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा अवैध रूप से गांजा और अंग्रेजी शराब अपने चाय-नाश्ते की दुकान में छिपाकर बिक्री की जा रही थी। आरोपी के खिलाफ धारा 20(ए) एनडीपीएस एक्ट और 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने आसपास हो रहे ऐसे अवैध कार्यों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग मिल सके।

कुरुद पुलिस ने शराब सप्लाई कर रहे युवक को रंगे हाथों दबोचा

धमतरी। जिले के पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में अवैध शराब बिक्री एवं परिवहन के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में कल रात्रि थाना कुरूद के सउनि.अजय बनारसी द्वारा पेट्रोलिंग के दौरान

सोनालिका ट्रैक्टर शोरूम के सामने एनएच-30 कुरूद क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक को रोका गया। पूछताछ एवं तलाशी लेने पर युवक के पास से 33 पौवा देशी मसाला शराब (कीमत लगभग ?3,300/-) अवैध रूप से परिवहन करते पाया गया। आरोपी के कब्जे से अवैध शराब के साथ एक पुरानी मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स (उ३ॠ-04-छ्ळ-2030) कीमत लगभग ?35,000/- भी जप्त की गई। संपूर्ण जप्ती की अनुमानित कीमत ?38,300/- है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना कुरूद में अपराध क्रमांक 162/25, धारा 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड लेकर जेल भेजा गया। आरोपी का नाम - यशवंत वर्मा।

बाप-बेटे ने की थी ग्रामीण की हत्या, वजह जमीन विवाद

विजय मत, रायगढ़

लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम केशला में जमीन विवाद को लेकर एक अधेड़ ग्रामीण की निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस ने 48 घंटे के भीतर हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग पटेल के दिशा-निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी (धरमजयगढ़) सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। क्या है मामला दिनांक 17 जून 2025 को ग्राम केशला के भैंसामुड़ा खेत में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना पर थाना प्रभारी लैलूंगा उपनिरीक्षक इगेश्वर यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान बजरंग दास महंत (48 वर्ष) के रूप में हुई, जिसके सिर व शरीर पर धारदार हथियार से गंभीर चोट के निशान थे। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने

पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 170/2025, धारा 101(3) इठर के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस कार्यवाही जांच के दौरान पुलिस ने मृतक के वारिसानों, गांव के लोगों से पूछताछ किया गया जिसमें जानकारी मिली कि मृतक बजरंग दास और अर्जुन दास महंत (60 वर्ष) के बीच पिछले एक वर्ष से खेत की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन बजरंग दास खेत पर कांवर, टांगी और पानी की बोतल लेकर काम करने गया था, जहां पहले से घात लगाए अर्जुन दास और उसका पुत्र राजकुमार महंत (27 वर्ष)* ने जमीन विवाद को लेकर उसे टांगी और लकड़ी से गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गिरफ्तार आरोपी 1. अर्जुन दास महंत, उम्र 60 वर्ष, ग्राम केशला 2. राजकुमार महंत, उम्र 27 वर्ष, पुत्र अर्जुन दास महंत।

सम्पर्क केन्द्र की सक्रियता से अवैध खनन पर त्वरित कार्रवाई 2 जेसीबी सहित 12 वाहन जब्त

बलौदाबाजार। जिले में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण की रोकथाम हेतु कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर सम्पर्क केन्द्र को एक सशक्त नियंत्रण कक्ष के रूप में सक्रिय किया गया है। इस केन्द्र के माध्यम से आम नागरिकों को अपने क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन या उससे संबंधित गतिविधियों की सूचना सीधे प्रशासन को देने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।इसी क्रम में शुक्रवार को अवैध रूप से मुरुम खनन एवं परिवहन की सूचना मिलने पर मौके पर 2 जेसीबी मशीन एवं 10 हाईवा ट्रक को जब्त किया गया। प्राप्त जानकरी के अनुसार शुक्रवार दोपहर लगभग 12:25 बजे सम्पर्क केन्द्र के हेल्पलाइन नम्बर 92018-99925 पर एक जागरूक नागरिक द्वारा सूचना दी गई कि तहसील सिमगा के ग्राम पंचायत बनसांकरा में जंगल के पीछे अवैध रूप से मुरुम खनन एवं परिवहन किया जा रहा है।प्राप्त सूचना पर तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम सिमगा अंशुल वर्मा के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम गठित कर रवाना की गई।

नौकरानी के घर 2 लाख की चोरी, महिला आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, बिलासपुर

सकरी थाना क्षेत्र में एक महिला ने जिस घर में काम किया, वहीं जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने सजगता दिखाते हुए एफआईआर दर्ज होने के चंद घंटों के भीतर महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है। 18 जून को आसमां कॉलोनी निवासी रजनी सिंह ने सकरी थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनके घर की अलमारी से सोने की चेन, मंगलसूत्र, कान की बाली और 11 हजार रुपये नकद, कुल 2.09 लाख रुपये की संपत्ति चोरी हो गई है। घटना की जानकारी 17 जून को अलमारी चेक करने पर लगी। पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर सकरी पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। एएसपी राजेन्द्र जायसवाल और सीएसपी निमितेश सिंह परिहार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रदीप आर्य ने टीम बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू

की। जांच में सबसे पहले रजनी सिंह के घर में काम करने वाली नौकरानी दुर्गेश्वरी वर्मा (23 वर्ष) से पूछताछ की गई। शुरूआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने गहने चुराने की बात कबूल कर ली। अ'२ङ्ग र्फी - शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, जीवन निर्माण का माध्यम बनेः बृजमोहन अग्रवाल दुर्गेश्वरी ने बताया कि उसने अपने भाई हरिशंकर कश्यप (25 वर्ष) की मदद से जेवर विनोद सोनी (62 वर्ष) नामक एक सुनार को बेचे थे, जो मुंगेली जिले के लालपुर थाना अंतर्गत ग्राम मोहतरा का निवासी है।

बुजुर्ग को 2 लोगों ने उतारा मौत के घाट

बिलासपुर। बिलासपुर में पिछले कुछ समय से अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ते जा रहा है। यहां आए दिन लूट, चाकूबाजी, हत्या जैसी कई बड़ी वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर न्यायधानी में एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया है। यहां एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के हिर्री थाना क्षेत्र के अटर्रा गांव में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। यहां एक बुजुर्ग की लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। आपसी विवाद और गाली-गलौच करने के बाद इस वारदात को अंजाम दिया गया है। मारपीट में एक महिला भी घायल हुई है। पुलिस ने इस वारदात को अंजाम देने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की टीम ने बुजुर्ग के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मौज काटते मिले पति-पत्नी, अचानक गायब होने से परेशान थे परिजन

विजय मत, खैरागढ

बीते 6 दिनों से लापता नवविवाहित पति-पत्नी सकुशल मिल गए हैं। दोनों को छुईखदान पुलिस ने डोंगरगढ़ से बरामद कर आज उनके परिजनों के हवाले किया। पुलिस ने बताया कि दोनों कुछ पारिवारिक विवाद के कारण बिना किसी को बताए डोंगरगढ़ चले गए थे। जानकारी के अनुसार ग्राम मुहड़बरी निवासी नरेंद्र वर्मा (उम्र 28 साल) अपनी पत्नी ट्विंकल वर्मा (उम्र 25 साल) के साथ 14 जून को घर से निकला था। उसने परिजनों से कहा था कि वे पत्नी के मायके ग्राम चकनार जा रहे हैं, लेकिन दोनों वहां पहुंचे ही नहीं। जब दोनों के मोबाइल भी बंद मिले तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने 17 जून को छुईखदान थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की।

आखिरकार 20 जून को पुलिस ने दोनों को डोंगरगढ़ से खोज निकाला और थाने लाकर पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि वे आपसी विवाद के कारण कुछ दिन अकेले रहना चाहते थे, इसलिए बिना किसी को बताए डोंगरगढ़ चले गए थे। पुलिस ने पति-पत्नी को सकुशल उनके परिजनों को सौंप दिया है। छुईखदान थाना प्रभारी जितेन्द्र बंजारे ने बताया कि अब दोनों सुरक्षित हैं और परिजनों से मिलने के बाद मामला शांत हो गया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की स्थिति में परिवार या पुलिस को जरूर जानकारी दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

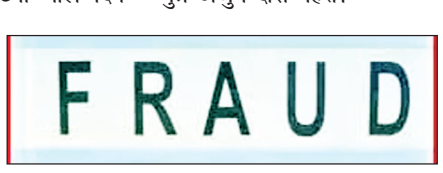

महिला को अधीक्षिका बनाने का झांसा देकर ठगी, आरोपी फरार

दुर्ग। मरवाही पुलिस ने राकेश तिवारी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है जो कोरबा का रहने वाला है। आरोप है कि कोरबा ज़िले के निवासी राकेश तिवारी ने मरवाही की निवासी स्नेहलता शर्मा से छात्रावास अधीक्षक की नौकरी दिलाने के नाम पर 3 लाख 50 हजार रुपये की ठगी की। स्नेहलता शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया है कि राकेश तिवारी ने पहले 1 लाख रुपये नकद और फिर 2 लाख 50 हजार रुपये फोन पे के माध्यम से लिए। जब उसने नौकरी नहीं लगवाई और पैसे वापस माँगे, तो उसने देने से इनकार कर दिया। पुलिस ने इस मामले में जाँच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस ने स्नेहलता शर्मा का बयान दर्ज किया है और फोन पे के माध्यम से पैसे ट्रांसफर करने के सबूत इकट्ठा किए हैं। गवाहों के बयान भी दर्ज किए गए हैं, जिनमें माधुरी उईके और राजेश उपाध्याय शामिल हैं। पुलिस अब आरोपी राकेश तिवारी की तलाश में है और जल्द ही उसे गिरफ़्तार कर सकती है। आरोपी ने नौकरी दिलाने के नाम पर एक महिला से बड़ी रकम ऐंठ ली। पुलिस इस मामले में आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

गैंगरेप होने की आशंका पर चिल्लाने लगी महिला, हत्या के आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, रायगढ़

छाल क्षेत्र के ग्राम बांधापाली में 10 जून को हुई एक महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने गुत्थी सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज हत्या की जानकारी प्रेस कांफ्रेंस में दी गई, जहां बताया गया कि मृतिका रमिला कंवर की गला घोंटकर हत्या की गई थी और इस काम में उसी की साड़ी का इस्तेमाल किया गया था। घटना की जानकारी के अनुसार, 10 जून को बांधापाली बादीपारा निवासी रमिला कंवर (30 वर्ष) का शव उसके कमरे में संदिग्ध अवस्था में पाया गया। मृतिका की साड़ी का एक छोर उसके गले में गांठ के रूप में बंधा था, जिससे परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। दूसरे दिन सूचना मिलते ही थाना प्रभारी छाल निरीक्षक मोहन भारद्वाज अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव व घटनास्थल का निरीक्षण किया। 12 जून को शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि गला घोंटने से दम घुटने के

कारण महिला की मौत हुई है। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध अप.क्र. 133/2025 धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच में सामने आया कि मृतिका का गांव के ड्राइवर अनिमिष वैष्णव उर्फ सूरज उर्फ बिट्टु से बातचीत होती थी, जो घटना के बाद से फरार था। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देश और एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल के मार्गदर्शन में टीआई छाल मोहन भारद्वाज के नेतृत्व में टीमों का गठन कर संदेही की पतासाजी शुरू हुई। संदेही अनिमिष वैष्णव की पतासाजी में पुलिस टीम लग गई किन्तु अनिमिष वैष्णव न मोबाइल का उपयोग कर रहा था न ही घरवालों के संपर्क में था, अब पुलिस ने उसके साथी ड्रायवरों से एक एक कर पूछताछ की और उन्हें टीआई ने व्यक्तिगत नंबर देकर संदेही के संपर्क करने पर सूचना देने अपना मुखबीर बनाये और रणनीति कारगर साबित हुई पुलिस को मिले एक संदिग्ध नंबर के लोकेशन पर टीम रायपुर रवाना हुई और संदेही अनिमिष वैष्णव को रायपुर में पकड़ा गया जिसने पूछताछ में गांव के ही बुधवाराम सिदार के साथ 10 जून की रात महिला की साड़ी से गला घोंटकर हत्या करने की बात कबूल की। पुलिस ने बुधवाराम को भी तुरंत गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने बताया कि घटना वाले दिन शाम को साथ खाये-पीये तब अनिमिष वैष्णव ने बुधवाराम को महिला के घर जाने की जानकारी दी थी, अनिमिष वैष्णव पहले महिला के घर पहुंचा थोड़ी देर बाद बुधवाराम भी आ गया।

चोरों ने टाटा-बाय-बाय किए, फिर उड़ा ले गए सात लाख के जेवर

विजय मत, दुर्ग

जिले के एक सुने मकान में चोरों ने बेखौफ होकर चोरी की है। विजयनगर क्षेत्र में चोर दीवार फांदकर घर में घुसे फिर मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर पहुंचे और फिर अलमारी

का लॉकर तोड़कर 7 लाख के गहने और 50 हजार नगद चुरा लिए और वापस जाते समय जब कैमरा लगा देखा तो उउळश के सामने टाटा-बाय-बाय करते हुए चल दिए। मामला मोहन नगर थाना क्षेत्र का है। 10 जून को हुई इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें बिना चेहरा ढके चोरों के गिरोह ने इत्मीनान से चोरी की। घटना के वक्त घर में कोई नहीं था, परिवार निजी कार्यक्रम में शामिल होने बिलासपुर गया था। घटना के 10 दिन बाद भी चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। चोरी री घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें गिरोह के चार सदस्य दिख रहे हैं। इनमें दो आरोपी ने अपना चेहरा स्कार्फ से ढक लिया था वहीं दो चोरों का चेहरा वीडियो में स्पष्ट दिख रहा था। पीड़ित बिनय कुमार वर्मा (उम्र 42) ने बताया कि 10 जून वह निजी कार्यक्रम में शामिल होने परिवार सहित बिलासपुर गए हुए थे। इस दौरान उनके पड़ोसी ने फोन कर बताया कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। घर में चोरी होने की आशंका पर उन्होंने तत्काल थाने में सूचना दी। जब वे खुद घर पहुंचे तो देखा कि चोर उनके घर की दीवार फांद कर मेन गेट से अंदर घुसे थे। घटनास्थल का मुआयना करने पर पता चला कि चोरों ने घर में नगदी और गहनों की खोज में घर का पूरा सामान को बिखरा दिया था। अलमीरा के लॉकर को तोड़कर 50 हजार नगद और लगभग 7 लाख के गहने गायब थे।

मैं कप्तान होता तो ऋषभ से परिपक्वता से बल्लेबाजी करने कहता : सचिन

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत का प्रदर्शन इससे पहले के ऑस्ट्रेलिया दौरे में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अब ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ आज से शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की सीख याद करनी चाहिये। सचिन ने ऑस्ट्रेलिया में ऋषभ के लापरवाही से खेले गये शॉट को लेकर कहा था कि अगर वह कप्तान होते तो उनसे परिपक्वता के साथ बल्लेबाजी करने को कहते क्योंकि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के दौरान कभी-कभी अपना विकेट भी फेंक देते हैं, जो प्रशंसकों के साथ ही दिग्गज क्रिकेटरों को भी पसंद नहीं है। वहीं विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के कारण अब उनकी जिम्मेदारी बढ़ गयी है। ऐसें में उन्हें जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी चाहिये। वह कई बार लापरवाही से शॉट लगाकर आउट हुए हैं। अब उपकप्तान के तौर पर भी उन्हें हालात के अनुसार खेलना होगा। सचिन ने हालांकि कहा कि वह उन्हें अपनी स्वाभाविक शैली को छोड़ने को को नहीं कहेंगे, बस दबाव वाली स्थितियों में ज्यादा संयम बरतने को कहेंगे।

तेंदुलकर ने कहा, 'उसे ज्यादातर समय अपने स्वाभाविक खेल पर चलना चाहिए पर कभी-कभी हालात ऐसे होंगे जब उन्हें टीम के हित में अपने खेल में संयम दिखाना होगा।' सचिन ने कहा, उसे लचीलापन दिखाना होगा। अगर हालात ऐसे हों कि आप मैच बचाना चाहते हैं तब उसे रक्षात्मक रुख अपनाना होगा, जैसे एक घंटे तक के लिए या 45 मिनट के लिए या कभी-कभी दो घंटे के लिए। उस दौरान उसे बस अपने जोखिम वाले शॉट्स से बचना होगा और आक्रामक नहीं होना होगा। वह सकारात्मक रहे पर हालात के हिसाब से शॉट का चयन करे।

तेंदुलकर ने यह भी बताया कि अगर वह कप्तान होते तो ऋषभ से किस प्रकार पेश आते। उन्होंने कहा कि वह उसे अपनी आक्रामक शैली के साथ आजादी से खेलने को कहते पर जब भी टीम को मैच बचाने की जरूरत होती तब वह उससे जिम्मेदारी से खेलने को कहते। इस प्रकार उसे अपने रुख में थोड़ा सा ही बदलाव करना होगा।

लाबुशेन वेस्टइंडीज दौर में असफल रहे तो एशेज सीरीज के लिए टीम से बाहर होंगे: गिलेस्पी

मेलबर्न, एजेंसी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने कहा है कि बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के लिए वेस्टइंडीज दौरा अपनी जगह बचाने का अंतिम अवसर है। गिलेस्पी के अनुसार अगर लाबुशेन इस दौरे में रन नहीं बना पाये तो वह एशेज सीरीज के लिए टीम से बाहर हो जाएंगे। पिछले कुछ समय से वह लगातार रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिससे टीम में उनकी जगह खतरे में पड़ गयी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में भी वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे। वह 2023-25 के अपने चक्र की 20 पारियों में 974 रन ही बना पाये हैं जिसमें 38 पारियों में एक शतक और आठ अर्द्धशतक के साथ ही 27.82 का खराब औसत रहा।

लाबुशेन ने अपना अंतिम टेस्ट शतक जुलाई 2023 में एशेज के दौरान मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ लगाया था। तबब से, उन्होंने 16 टेस्ट में 24.74 की औसत से ही रन बनाए हैं, उन्होंने 30 पारियों में 668 रन और 7 अर्द्धशतक लगाये हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, यह एक मुश्किल सवाल है। पिछले दो साल में उनका औसत 20 के बीच रहा है, और उन्होंने केवल एक शतक लगाया है। अगर वह वेस्टइंडीज में खेलते हैं, तो मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से आखिरी अवसर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। मुझे लगता है कि अगर वह बेहतर प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि उन्हें एशेज में खेलने का अवसर नहीं मिलेगा।

वहीं टीम में बल्लेबाजी क्रम को लेकर गिलेस्पी ने कहा, मुझे पता है कि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर बेहतर खेलते है और मुझे लगता है कि ट्रैविस हेड की सर्वश्रेष्ठ स्थिति पांचवें नंबर पर है। मुझे लगता है कि वे लोग काफी हद तक तैयार हैं।

गिलक्रिस्ट बोले, यशस्वी है भविष्य का सितारा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए हुए भविष्य का सितारा बताया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में यशस्वी के शतक और मिचेल स्टार्क के साथ उनकी झड़प को लेकर गिलक्रिस्ट ने कहा कि इस प्रकार की बातें होती रहती हैं। वह घटना बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की थी थी। जिसमें यशस्वी ने स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर उनपर टिप्पणी कर दी थी, तुम बहुत धीमी गेंद फेंक रहे।

टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल से अधिक महत्वपूर्व: शुभमन

लीड्स, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले कहा कि टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल खिताब जीतने से कहीं बड़ी उपलब्धि है। इसलिए उनके टीम का लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट सीरीज में जीत के लिए अधिक अवसर नहीं मिलते हैं क्योंकि अधिक दौरे नहीं होते हैं। वहीं आईपीएल हर साल होता है और जीत हासिल करने का अवसर रहता है , इसलिए टेस्ट सीरीज सबसे महित्वपूर्व है और वह भी इइंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में हो तो उससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उन्हें इंग्लैंड में लाल गेंद से खेलने का अनुभवी अधिक नहीं है पर वह चिन्तित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कई लोग कहते हैं कि आपकी टीम के पास उतना अनुभव नहीं है पर अच्छी बात यह है कि हम पर अपेक्षाओं का उतना बोझ नहीं होगा क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी इंग्लैंड में खेले नहीं है। इससे वह निडर होकर खेलेंगे । गिल ने कहा, 'पिछले पांच से दस साल में हमारे सीनियर्स से हमें जो हासिल हुआ है वह यही है कि हम कहीं भी जीत सकते हैं। हम उसी आत्मविश्वास के साथ खेलने का प्रयास करेंगे।

मेसी के गोल से इंटर मियामी जीती

अटलांटा। लियोनेल मेसी के गोल से इंटर मियामी ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में यूरोपीय चैंपियन पोर्टो को 2-1 से हरा दिया। इस मैच में मेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्री किक पर गोल किया। वहीं पोर्टो क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू में ही पेनल्टी किक मिली जिसपर सामू ओमोरोदियन ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी किया। इससे इस मैच में इंटर मियामी की टीम हाफ टाइम तक 1-0 से पीछे थी पर टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के बनाये एक मूव पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मेसी ने फ्री किक पर एक गोल दागकर अपनी टीम कीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। ये बढ़त अंत तक कायम रही। इससे पहले इन दोनों टीमों का ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित रहा था।

फुटबॉल

कैलीफोर्निया में फीफा क्लब विश्वकप फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

वापसी से खुश करुण बोले- राष्ट्रीय टीम से खेलने के जुनून से प्रेरित रहा

लीड्स, एजेंसी

आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी पर बल्लेबाज करुण नायर बेहद खुश हैं। करुण ने कहा कि राष्ट्रीय टीम से खेलने क लिए प्रतिबद्ध होने के कारण ही वह वापसी करने में सफल रहे हैं। साथ ही कहा कि ड्रेसिंग रूम में बचपन के साथी केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा की मौजूदगी से उन्हें सहज रहने में सहायता मिली। अब वह आठ साल बाद मिले अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहते हैं। इस बल्लेबाज ने एक वीडियो में कहा, ''मैं चीजों को बहुत सरल बनाए रखने की कोशिश करता हूं, हमेशा सकारात्मक चीजों के बारे में सोचता हूं, मन में कुछ लक्ष्य रखता हूं, चीजों की कल्पना करता हूं और जो कल्पना करता हूं उस पर पूरा विश्वास रखता हूं।'' उन्होंने कहा, ''राहुल और कृष्णा के साथ खेलना भी बहुत सुकून देने वाला है। हम बचपन से एक दूसरे के साथ खेलते रहे हैं।''

करुण और राहुल दोनों की उम्र 33 साल है। वे एक साथ आयु वर्ग क्रिकेट खेल चुके हैं और तब से घनिष्ठ मित्र हैं। उन्होंने कहा, ''जीवन अपना एक चक्र पूरा कर चुका है, क्योंकि मैं इंग्लैंड में टीम से बाहर हो गया था और अब मैं इंग्लैंड में टीम में वापसी कर रहा हूं।

बिजनेस

सोने की कीमत गिरकर 99,000, चांदी 1.06 लाख से फिसली

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में शुक्रवार के कारोबारी दिन सोने के भाव 98,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद अब सोने-चांदी के भाव लगातार गिर रहे हैं। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने के भाव 98,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 482 रुपये की गिरावट के साथ 98,847 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 99,329 रुपये था। इस समय यह 530 रुपये की गिरावट के साथ 98,799 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स 1046 अंक ऊपर 82,408 पर बंद निफ्टी 319 अंक चढ़कर 25,100 के पार

मुंबई, एजेंसी

बैंकिंग-रियल्टी शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार, 20 मई को सेंसेक्स 1046 अंक चढ़कर 82,408 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 319 अंक की तेजी रही, ये 25,112 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 3 में गिरावट रही। एयरटेल, नेस्ले , रू्रू के शेयरों में 3.2 प्रतिशत तक की तेजी रही। मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट और एक्सिस बैंक में गिरावट रही।

निफ्टी के 50 में से 44 शेयर्स चढ़कर बंद हुए। NSE के रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.11 प्रतिशत की तेजी रही। हेल्थकेयर, बैंकिंग, IT, मेटल, मीडिया, फार्मा इंडेक्स 1.6 प्रतिशत तक चढ़ा।

19 जून को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 934.62 करोड़ रुपए और घरेलू निवेशकों ने 605.97 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की। जून महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 4,043.49 करोड़ की बिकवाली की है। जबकि घरेलू निवेशकों ने 59,836.18 करोड़ की नेट खरीदारी है। मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी। एरिसइंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का IPO 18 जून को ओपन है। निवेशक इस इश्यू के लिए आज 20 जून तक बिडिंग कर सकेंगे। 25 जून को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी टोटल 499.60 करोड़ जुटाना चाहती है। कंपनी इश्यू में 2.25 करोड़ फ्रेश शेयर्स जारी करेगी। इस इश्यू में कंपनी के मौजूदा निवेशक या प्रमोटर ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए एक भी शेयर नहीं बेचेंगे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 86.63 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.60 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.65 पर खुला। बाद में पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त के साथ 86.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को 30 पैसे टूटकर दो महीने के निचले स्तर 86.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। पिछले तीन सत्र में यह कुल 69 पैसे टूटा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ 98.59 पर रहा।

संभव स्टील ट्यूब्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नई दिल्ली। संभव स्टील ट्यूब्स ने अपने 540 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 77-82 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि आईपीओ 25 जून को खुलेगा और 27 जून को बंद होगा। यह आईपीओ 440 करोड़ रुपये के नए शेयर और 100 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से हासिल राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। संभव स्टील ट्यूब्स भारत में इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डेड (ईआरडब्ल्यू) स्टील पाइप और स्ट्रक्चरल ट्यूब (खोखले अनुभाग) के प्रमुख विनिर्माताओं में से एक है।

ओसवाल पंप्स का शेयर तीन प्रतिशत से अधिक बढ़त पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। ओसवाल पंप्स का शेयर अपने 614 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले तीन प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 2.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 632 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 5.35 प्रतिशत चढ़कर 646.90 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 3.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 634 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 7,389.73 करोड़ रुपये रहा। ओसवाल पंप्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 34.42 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का आईपीओ 890 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयरों और प्रवर्तक विवेक गुप्ता द्वारा 81 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस तरह निर्मग का कुल आकार 1,387.34 करोड़ रुपये है। इसके लिए 584-614 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा रखा गया था। ओसवाल पंप्स ने बड़े (एंकर) निवेशकों से 416 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाई है। नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी के कुछ पूंजीगत व्ययों के वित्तपोषण, ऋण या इक्विटी के रूप में पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी ओसवाल सोलर में निवेश, हरियाणा के करनाल में नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने, ऋण का भुगतान करने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक की अनुषंगी इकाई एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपने 12,500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 700-740 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान जारी करते हुए कहा ?कि एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का आईपीओ 25 जून को खुलेगा और 27 जून को संपन्न होगा। बड़े निवेशक 24 जून को बोली लगा पाएंगे। यह कंपनी का पहला आईपीओ है। आईपीओ 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर और प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक द्वारा 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। एचडीएफसी बैंक की उसकी गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में वर्तमान में 94.36 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सभी व्यवसाय बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है: ट्रंप

- ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी व्यवसायों को बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा, अमेरिका में बहुत सारी गैर-कामकाजी छुट्टियां हैं। इससे हमारे देश को अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है, क्योंकि इन छुट्टियों में सारी दुकानें और व्यवसाय बंद रहते हैं। कर्मचारी भी ऐसा नहीं चाहते हैं। जल्द ही हम साल के हर एक कार्य दिवस पर छुट्टी मनाने लगेंगे। अगर हम अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते हैं तो इसे बदलना होगा। हालांकि, अपने इस पोस्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवकाश का नाम स्पष्ट रूप से नहीं बताया, लेकिन यह पोस्ट 20 जून 2025 को जूनटीन्थ के दिन पोस्ट किया गया है, जो 19 जून 1865 की घटना की याद में मनाया जाता है। 19 जून 1865 के दिन टेक्सास के गैल्वेस्टन में सैनिकों ने आकर अंतिम अश्वेत दासों को मुक्त करने का आदेश दिया था, जिसे गुलामी के अंत की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, जूनटीन्थ के सम्मान में अधिकतर राष्ट्रीय बैंक, संघीय कार्यालय और संयुक्त राज्य डाक सेवा बंद रहे। हालांकि, वॉलमार्ट, कॉस्टको, टारगेट और स्टारबक्स जैसे प्रमुख स्टोर छुट्टी के दिन भी खुले रहे। इससे पहले, पत्रकारों ने व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से दिन में पूछा कि जूनटीन्थ को लेकर ट्रंप का प्लान क्या है? उन्होंने जवाब दिया ?कि मैं आज किसी आधिकारिक बयान या दस्तावेज पर उनके हस्ताक्षर के बारे में नहीं जानती। मुझे बस इतना पता है कि आज एक सरकारी छुट्टी है।

वनप्लस नोर्ड 5 और वनप्लस नोर्ड सीई 5 जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में वनप्लस दो नए स्मार्टफोन वनप्लस नोर्ड 5 और वनप्लस नोर्ड सीई 5 जल्द लॉन्च करने जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वनप्लस नोर्ड 5 में 6.83 इंच का अमोलेड डिस्प्ले मिल सकता है, जो 2800 गुणा1272 पिक्सल रेजॉलूशन और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा। यह फोन 12जीबी रैम और 512जीबी इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में लॉन्च हो सकता है। प्रोसेसर के तौर पर इसमें क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8 एस जेन 3 दिया जा सकता है। फोटोग्राफी के लिए फोन में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस हो सकता है। सेल्फी के लिए इसमें 50 मेगापिक्सल का हाई-रेजॉलूशन कैमरा मिलने की उम्मीद है।

खाद्य तेल की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

- कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी

नई दिल्ली, एजेंसी

आने वाले दिनों में खाने के तेल की कमी और कीमतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी होने की वजह से यह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और कई व्यापारिक संगठनों ने सरकार को चेताया है कि यदि पोर्ट की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो देशभर में सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और तेल महंगा हो सकता है। एसईए के अनुसार, नवंबर 2024 से मई 2025 के बीच भारत का खाद्य तेल आयात 9 फीसदी गिरकर 78.8 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 86.7 लाख टन था। भारत हर महीने लगभग 7.5 लाख टन पाम ऑयल आयात करता है और यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है। कांडला पोर्ट पर फिलहाल 157,000 टन तेल लादे 8 जहाज बर्थिंग का इंतजार कर रहे हैं। सिर्फ 2 जहाजों से 45,000 टन तेल की अनलोडिंग हो रही है। अगले कुछ दिनों में 159,000 टन तेल के साथ 5 और जहाज पहुंचने वाले हैं। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार फिलहाल 6 खाद्य तेल और 6 रसायन वाले जहाज एंकर पर हैं। शुल्क कटौती बनी आयात बढ़ने की वजह से कांडला पोर्ट अथॉरिटी के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार मई में आयात शुल्क में कटौती के बाद खाद्य तेल की आवक में अचानक तेज़ी आई है। उन्होंने कहा कि औसतन 8-10 दिन की प्रतीक्षा हो रही है लेकिन संचालन प्रक्रियाओं को सख्त किया गया है और समाधान की कोशिशें जारी हैं।

संकल्प से सिध्दि अभियानः संकल्प से सिध्दि अभियान भाजपा की बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल बोले-

भारत करेगा विश्व की अगुवाई, सबसे विकसित देश होगा

विजय मत, रायपुर

भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिध्दि अभियान के तहत पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर केन्द्र की मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों जनता तक पहुंचाने के लिए आज भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में एक आवश्यक बैठक आहूत की गई। इस दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि संकल्प से सिध्दि अभियान के माध्यम से पार्टी के नेता और कार्यकर्ता प्रदेशभर में जाकर केंद्र की मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाएंगे। साथ ही, कांग्रेस शासन के दौरान हुई विफलताओं की भी जानकारी घर-घर दी जाएगी। केन्द्र सरकार की योजनाएं और नीतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में व्यापक पैमाने पर 21 जून को योग दिवस मनाया जाएगा। योग दिवस पूरे प्रदेश में हर मंडल में मनाने का लक्ष्य रखा है और अधिक से अधिक लोग योग का लाभ ले और अपनी नियमित दिनचर्या में योग को शामिल करें। इसके साथ 23 जून को भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जीका बलिदान दिवस मनाया जाएगा। आज से 50 साल पहले पूरे देश में कांग्रेस ने

है। डॉ। श्यामाप्रसादके सपने को साकार करने का काम नरेंद्र मोदीने किया है कश्मीर से धारा 370 को समाप्त किया। 23 जून को सभी जिलों में मतदान केदो में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जीका बलिदान दिवस मनाया जाएगा। आज से 50 साल पहले पूरे देश में कांग्रेस ने अघोषित आपातकाल लगाया था इमरजेंसी लगा कर देश को जेल बना दिया गया था और नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया था। प्रेस के ऊपर सेंसरशिप लागू कर दी गई थी। कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या कर दी गई थी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि अब गांव-गांव, गली गली, शहर, प्रदेश और देश को विकसित करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीके विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करना है। 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए हम सब लोग मिलकर काम करेंगे। पूरे विश्व की अगुवाई भारत करेगा, और भारत दुनिया का सबसे विकसित देश होगा। उन्होंने कहा कि आज से 11 साल पहले देश की इकोनॉमी 11वें नंबर पर थी और अब चौथे नंबर पर पहुंच गया है जल्द ही आने वाले समय में विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में भारत होगा।

कार्यक्रम के बाद सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आने वाले समय में हमारी सनातन संस्कृति, हमारा संस्कार, पुरातन वैभव, योग, वैदिक शिक्षा को आने वाले समय में स्कूल शिक्षा में लागू किया जाएगा जो आधुनिक भारत और नए भारत के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होगा।

उन्होंने कहा कि जो लोग अवैधानिक तरीके से धर्मांतरण करते हैं या करवाते हैं वे सब सचेत हो जाए अवैधानिक तरीके से अगर धर्मांतरण करवाया जाएगा उन्हें कानूनी तरीके से सबक सिखाया जाएगा और प्रदेश में धर्मांतरण रोकने के लिए कठोर से कठोर कानून बनाया जाएगा।

न्यूज विंडो

30 जून तक जेल में रहेंगे लखमा, ईओडब्ल्यू के विशेष कोर्ट में हुए पेश

रायपुर। 2100 करोड़ के शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को ईडी ने शुक्रवार को विशेष ईओडब्ल्यू कोर्ट में पेश किया गया। जहां दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायाधीश ने लखमा को 30 जून तक न्यायिक रिमांड में भेजने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय हैं कि ईडी ने पिछले सप्ताह ही लखमा की 6.50 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी और शराब घोटाला मामले में ईडी 30 जून को पूरक चालान पेश करेगा।

चेंबर भवन में एकदिवसीय योग शिविर का होगा आयोजन

रायपुर। चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भसीन ने बताया कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस को देखते हुए व्यापारियों को योग के प्रति जागरूक करने एकदिवसीय योग शिविर का आयोजन चेंबर भवन में 21 जून 2025, दिन शनिवार को प्रातः 7 से 8 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यातायात विभाग एवं अध्यक्ष रोड सेफ्टी छत्तीसगढ़ के असिस्टेंट इंस्पेक्टर जनरल श्री संजय शर्मा शामिल होंगे। श्री भसीन ने व्यापारियों से आग्रह किया कि इस निःशुल्क योग शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर, योग के बारे में जाने तथा उसका लाभ उठाकर एक स्वस्थ जीवन व्यतीत करें। योग शिविर में योग एवं फिटनेस विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील शुक्ला तथा योग प्रशिक्षक श्रीमती हेमलता निर्मलकर योग की जानकारी तथा फायदों से अवगत कराएंगे। इस योग कार्यशाला के संयोजक चेंबर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन तथा कार्यक्रम प्रभारी वासु जोतवानी, राज कुमार तारवानी, राजेंद्र पारख, आलोक शर्मा, पंकज चेजवानी होंगे।

बी.एड. धारकों को पुनः सेवा में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सहायक शिक्षक (विज्ञान प्रयोगशाला) पद पर समायोजन के लिए की जा रही ओपन काउंसिलिंग प्रक्रिया का चतुर्थ दिवस सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रक्रिया उन चयनित सहायक शिक्षकों के लिए की जा रही है जिन्हें सीधी भर्ती 2023 में चयनित होने के बावजूद बी.एड. अर्हता के कारण सेवा से पृथक किया गया था। शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, शंकर नगर, रायपुर में चल रही इस प्रक्रिया के तहत आज 300 अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें से 297 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग में भाग लिया, जबकि 3 अनुपस्थित रहे। यह उल्लेखनीय है कि यह समायोजन न केवल न्यायसंगत पुनर्वास है, बल्कि शिक्षकों को पुनः सेवा का अवसर प्रदान करने वाली एक संवेदनशील और दूरदर्शी पहल भी है।

बीना शुक्ला को पी.एच.डी. की उपाधि

रायपुर। रामकृष्ण शिक्षण संस्थान में बी.एड. संकाय में पदस्त बीना शुक्ला विषय 'हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षणिक रुचि एवं शैक्षिक समायोजन क्षमता पर प्रभाव का अध्ययन' पर पी.एच.डी. कंप्लीट की। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के 600 विद्यार्थी पर शोध कार्य पूर्ण किया। यह पी.एच.डी. उन्होंने डॉ. संगीता सराफ के मार्गदर्शन में किया। बीना कलिका प्रसाद शुक्ला (रिटायर्ड इंस्पेक्टर), श्रीमती प्रेमा शुक्ला की पुत्री और नीतीश अवस्थी की धर्म पत्नी व स्व. राम प्यारे अवस्थी, स्व. चंद्र कांता अवस्थी की पुत्र वधु है।

अनुकम्पा नियुक्ति को मिली स्वीकृति

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज़ कॉरपोरेशन लिमिटेड (नागरिक आपूर्ति निगम) के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में निगम मुख्यालय, नवा रायपुर में संचालक मंडल की 95वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम कर्मचारियों के हित में कई निर्णय लिए गए। वर्षों से लंबित अनुकम्पा नियुक्ति के विषय पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य करते हुए निगम के पांच दिवंगत सेवायुक्तों के आश्रित परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय संबंधित परिवारों के लिए न केवल राहत का माध्यम बनेगा, बल्कि उनके जीवन को स्थायित्व देने वाला भी सिद्ध होगा।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लेखों का अंतिमीकरण कर वित्तीय पत्रकों को अनुमोदित किया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नागरिक आपूर्ति निगम के बजट का संचालक मंडल द्वारा अनुमोदन किया गया। बैठक में मार्च 2025 से शासन द्वारा घोषित महंगाई भत्ते में वृद्धि को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार 2025

सीएम साय प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को किया सम्मानित

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में बंसल न्यूज़ द्वारा आयोजित 'पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार 2025' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने खेल के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने के लिए बंसल न्यूज़ की पहल की सराहना की और आयोजकों एवं सम्मानित युवा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विगत तीन वर्षों से बंसल न्यूज़ द्वारा प्रदेश भर के ग्रामीण अंचलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित करने का जो कार्य किया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिवर्ष चयनित खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 50,000 रुपए प्रदान किए जा रहे हैं, जो उन्हें खेल गतिविधियों और अभ्यास को निरंतर बनाए रखने तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में बंसल न्यूज़ प्रदेशवासियों के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरा है। उन्होंने संस्थान को साधुवाद देते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भी यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने उपस्थित जनसमूह को 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और सभी से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह भी किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, खेल मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक किरण देव सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ीगण उपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिवर्ष चयनित खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 50,000 रुपए प्रदान किए जा रहे हैं, जो उन्हें खेल गतिविधियों और अभ्यास को निरंतर बनाए रखने तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रही है।

आज बिहार जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उससे पता चलता है कि एनडीए सरकार ने वहां की दशा और दिशा बदल दी है : साव

विजय मत, रायपुर

आज बिहार जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उससे पता चलता है कि एनडीए सरकार ने राज्य की दशा और दिशा दोनों बदल दी है। जिन अवसरवादी ताकतों ने कभी बिहार को लूटा और बर्बाद किया, वे अब डरे और सहमे हुए हैं। हकीकत यह है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और नीतीश कुमार के साथ गठबंधन में एनडीए बिहार में प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने जा रहा है। उक्त बातें पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहीं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का जेल नियमों को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए साव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से गुरुवार को जेल से बाहर आने के बाद दिया गया बयान पूरी तरह से राजनीतिक है। वास्तविकता यह है कि जेल नियमों के अनुसार कैदियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं। इस तरह के राजनीतिक बयान उचित नहीं हैं। ऑपरेशन सिंधु पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा

कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से न केवल देश के हर नागरिक को प्राथमिकता दी गई है, बल्कि सरकार विदेशों में रहने वाले भारतीयों का भी तत्परता से ख्याल रखती है। ऑपरेशन सिंधु के जरिए ईरान से भारतीय नागरिकों को वापस लाने की कोशिश की जा रही है और उनकी वापसी शुरू भी हो चुकी है। रासायनिक खाद एवं बीज की समस्या को लेकर कांग्रेस की ओर से 25 से 30 जून तक आंदोलन की चेतावनी पर उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा लोगों के साथ धोखा किया। भाजपा की सरकार ने किसानों के हित में काम किया। किसान खुशहाल और समृद्ध हो रहे हैं।

विधायक मूणत ने महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे से भेंट कर सौंपा ज्ञापन, रेल यात्रियों की सुविधाओं से संबंधित 11 प्रमुख मांगें रखीं

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा वर्तमान रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने आज रायपुर प्रवास पर आए महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर से भेंट कर रायपुर रेल मंडल से यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

तेलघानी नाका से प्लेटफार्म नंबर 7 तक अंडरपास निर्माण का सुझाव- रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर वन-ए के अंत का हिस्सा, जिसे पुराने समय में 'माल धक्का' कहा जाता था, वहां से नजदीक स्थित 'तेलघानी नाका चौक' होते हुए 'राजपुताना होटल' के सामने से 'रामनगरन तक एक अंडरपास निर्मित किया जाए, जिससे जनसामान्य सीधे प्लेटफॉर्म नंबर 7 तक पहुंच सकें।27 अप्रैल 2025 को विधायक मूणत द्वारा डी.आर.एम. दयानंद, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश त्रिवेदी, रेलवे के तकनीकी विंग के अन्य अधिकारी, जिला कलेक्टर रायपुर, जिला पुलिस अधीक्षक रायपुर, आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर, स्टेट पीडब्ल्यूडी तथा नगर निगम रायपुर के तमाम आला अधिकारियों के साथ स्थल भ्रमण किया गया था। किन्तु रेलवे के तकनीकी अधिकारियों ने न तो इस विषय पर कोई होमवर्क किया, न निरीक्षण किया और न ही कोई जानकारी ली।

नागरिक आपूर्ति निगम में आज योग दिवस का आयोजन

नियमित योग अभ्यास से होता है बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन - नागरिक आपूर्ति निगम

विजय मत, रायपुर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक आज प्रातः 7 बजे नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय नवा रायपुर सहित नागरिक आपूर्ति निगम के समस्त जिला कार्यालयों में योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के आव्हान पर आयोजित होने वाले इस आयोजन में निगम के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी भाग लेंगे। अध्यक्ष श्री श्रीवास्तव स्वयं नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय में आयोजित योग शिविर में सम्मिलित होंगे। योग शिविर की सभी तैयारियाँ मुख्यालय और जिला स्तर पर पूर्ण कर ली गई हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री श्रीवास्तव ने कहा कि नियमित योग अभ्यास से मानसिक शांति प्राप्त होने के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। योग से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि इससे आत्मिक ऊर्जा भी जागृत होती है, जिससे व्यक्ति में इंद्रियों पर नियंत्रण रखने की स्वाभाविक क्षमता विकसित होती है।

उन्होंने कहा कि योग दिवस का आयोजन निगम परिवार के स्वास्थ्य, ऊर्जा और सकारात्मक कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

खास-खबर - **देश के 2.5 करोड़ घरों की आबादी का लगभग 8 प्रतिशत लोग करते है कम-से-कम एक सदस्य नियमित योग**

आज योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ, की थीम पर योग दिवस मनाया जाएगा-चौधरी

विजय मत, रायपुर

आज शनिवार 21 जून 2025 को पूरी दुनिया 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' की थीम के साथ 11वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रही है। गत दस वर्षों में भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को दुनिया में अपना उचित स्थान मिला है।

भारत सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि भारत की योग आधारित अर्थव्यवस्था कुल 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की हो चुकी है और 1 लाख से अधिक प्रमाणित योग शिक्षक दुनिया के 190 देशों में योग सीखने-सिखाने का कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के वित्त मंत्री श्री चौधरी ने शुक्रवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में बताया कि राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय के हाल ही में हुए सर्वेक्षण में पाया गया कि देश के 2.5 करोड़ घरों में, जो कि देश की आबादी का लगभग 8 प्रतिशत है, कम-से-कम एक सदस्य नियमित योग करता है। यह योग के भारतीय जीवन शैली से जुड़ाव को दिखाता है और यह स्थापित करता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार आम

भारतीय के जीवन की प्राथमिकताओं पर चल रही है।

श्री चौधरी ने कहा कि आज के इस कठिन दौर में, जहाँ बीमारियों और जनसंख्या दोनों ही तेज़ी से बढ़ रही हैं, योग एक ऐसा माध्यम है जिससे हम सभी एक स्वस्थ, संतुलित और खुशहाल जीवन जी सकते हैं। योग केवल शरीर की क्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मा, मन और चेतना को जोडने वाली एक जीवनशैली है। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में यह प्रस्ताव रखा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाए, तब बहुत-से लोग जो पहले योग का मज़ाक उड़ाया करते थे, उन्हें यह कल्पना भी नहीं रही होगी कि यह पहल एक दिन वैश्विक आंदोलन का रूप ले लेगी। इस ऐतिहासिक क्षण में 177 देशों ने एक स्वर में इस प्रस्ताव का समर्थन किया। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत की जीत थी। श्री मोदी ने न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में भारतीय मूल्यों और परंपराओं के प्रति एक नई जागरुकता उत्पन्न की है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री व राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज की अस्त-व्यस्त और जटिल जीवनशैली में योग हमारे लिए बेहद जरूरी हो चला है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक सीता शुक्ला। प्रधान संपादक विजय शुक्ला*।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997